mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-64 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
07 मार्च 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

शराब घोटोले में बरी हुई कविता का ऐलान तेलंगाना में बनाएगी नई पार्टी

कहा- केंद्र सरकार ने एजेंसियों के जरिए हमें विच हंट का शिकार बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत राष्ट्र समिति की पूर्व सदस्य और के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता तेलंगाना में एक नई पार्टी बनाने जा रही हैं। कविता ने यह एलान तब किया, जब दिल्ली की एक कोर्ट ने उन्हें और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत 23 लोगों को दिल्ली शराब घोटाले के मामले में बरी कर दिया था। बरी होने के बाद कविता तिरुमाला में तिरुपति बालाजी मंदिर गईं। कविता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भगवान बालाजी के आशीर्वाद से हम जल्द ही तेलंगाना राज्य में एक पॉलिटिकल पार्टी बनाने जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक के कविता ने कहा कि पूरे देश ने देखा है कि कैसे हमारे साथ इस तरह का भेदभाव किया गया और कैसे केंद्र सरकार एजेंसियों के जरिए हमें इस तरह की विच हंट का शिकार बनाया जाता है। कविता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पूरा देश और खासकर इस देश की महिलाएं उनके साथ खड़ी होंगी। उन्हें विश्वास है कि तेलंगाना के लोग उन्हें आशीर्वाद जरुर देंगे। कविता ने बताया कि पार्टी तेलंगाना के लोगों के लिए काम करने वाली एक रीजनल पार्टी होगी।

केजरीवाल का विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग का अनुरोध खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के अनुरोध को खारिज कर दिया है। दिल्ली विधानसभा ने आज पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के उनके अनुरोध को खारिज कर दिया है। समिति ने 'फांसी घर' से जुड़े मामले में केजरीवाल को समन जारी कर शुक्रवार को 03 बजे तलब किया हुआ है। इसके बाद गुरुवार को केजरीवाल ने एक पत्र लिखकर विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग करने का अनुरोध किया था। अध्यक्ष के निर्देश के मुताबिक विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है और प्रक्रिया के नियम इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं देते हैं। इसके अलावा, विशेषाधिकार समिति की बैठक का संसद या दूसरे राज्यों में टेलीकास्ट होने का कोई उदाहरण नहीं है।

असम में वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

स्क्वाड्रन लीडर अनुज | फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में ट्रेनिंग के दौरान रडार से गायब हुआ भारतीय वायु सेना का सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया है। हादसे में दोनों पायलट स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर की भी मौत हो गई है। वायु सेना ने गुरुवार देर रात 1 बजकर 9 मिनट पर क्रैश की पुष्टि की थी। शुक्रवार सुबह 9.14 पर एक और X पोस्ट में दोनों पायलट की मौत की जानकारी दी। सेना के मुताबिक तलाशी अभियान जारी है। जब ये हादसा हुआ तब फाइटर जेट नियमित उड़ान या मिशन पर था। इसी दौरान उसका ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूटा था। वायु सेना के मुताबिक रडार से संपर्क समाप्त होने के बाद वायु सेना ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए घटना की जांच के लिए IAF टीम को असम रवाना किया। फिलहाल विमान की सटीक स्थिति और संपर्क टूटने की वजह का पता लगाया जा रहा है।

होलिका दहन के लिए पेड़ के तने को ट्रेन के डिब्बे के बाहर बांधकर ले गए

छह के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, एजेंसी। होलिका दहन के लिए लकड़ी की व्यवस्था के लिए कुछ लोगों ने एक पेड़ के पूरे तने को लोकल ट्रेन के दरवाजों से बांध दिया। वे ट्रेन के माध्यम से ही इसे पालघर के विरार से मुंबई के माहिम तक ले गए। इस मामले में छह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने वीडियो साझा किया, जिसमें डिब्बे के बाहर पेड़ का लंबा तना बंधा नजर आ रहा है। इससे ट्रेन के दरवाजे अवरुद्ध हो गए थे। यूजर ने रेलवे अधिकारियों को भी टैग किया।

अमेरिका का रुसी तेल खरीद पर छूट से संबंधित बयान भारतीय संप्रभुता का अपमानः कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट के भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने को लेकर 30 दिन की अस्थाई छूट से जुड़े बयान को लेकर कांग्रेस ने इसे देश की संप्रभुता का अपमान बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्लैकमेल हो रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत को अनुमति देने की भाषा उन देशों के लिए इस्तेमाल होती है जिन पर प्रतिबंध लगे हों, न कि भारत जैसे जिम्मेदार साझेदार के लिए। मोदी सरकार लगातार कूटनीतिक स्पेस छोड़ रही है और भारत को एक 'अमेरिका के अधीन अभाषी देश' बना दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा कि भारत की विदेश नीति जनता की सामूहिक इच्छा से निकलती है और यह सत्य एवं अहिंसा पर आधारित होनी चाहिए। आज जो हो रहा है वह नीति नहीं बल्कि एक समझौता कर चुके व्यक्ति के शोषण का नतीजा है।

'हालात किस तरफ जाएंगे, कहना मुश्किल...' मिडिल ईस्ट में जारी तनाव पर बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। चाहे अमेरिका-इजरायल हो या ईरान कोई भी पीछे हटने का नाम नहीं ले रहा है। मिडिल ईस्ट में जारी तनातनी के बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हालात अभी असामान्य हैं। हालात किस तरफ जाएंगे, अभी ये कहना मुश्किल है। दरअसल, कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आगाह किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में किसी भी प्रकार की रुकावट वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल-गैस की सप्लाई चेन को ध्वस्त कर सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि फारस की खाड़ी

ईरान के शिराज शहर पर हमले में 20 की मौत

- ईरान ने इजराइल-अमेरिका का ड्रोन गिराया; फारस की खाड़ी में 52 फ्रांसीसी जहाज फंसे

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज सातवां दिन है। इजराइल और अमेरिका ने आज ईरान के शिराज शहर पर हमला किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक इस हमले में 20 लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए।

ईरानी अधिकारियों के मुताबिक यह हमला शहर के जीबाशहर इलाके के रिहायशी क्षेत्र में हुआ, जिसमें कई आम लोग मारे गए। इस हमले में दो मेडिकल कर्मचारियों की भी मौत हो गई।

वहीं ईरानी सेना ने लोरेस्तान इलाके में अमेरिका का MQ-9 ड्रोन और इजराइल का Hermes-900 ड्रोन को मार गिराया है।

जंग की वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के रास्ते भी प्रभावित हुए हैं। फ्रांस के परिवहन मंत्री ने कहा कि फारस की खाड़ी में 52 फ्रांसीसी जहाज फंसे हुए हैं और 8 जहाज रेड सी में रुके हुए हैं।

ट्रम्प बोले- ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुने

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

रायसीना डायलॉगः ईरानी उप-विदेश मंत्री बोले- आखिरी गोली तक लड़ेंगे

- ट्रम्प न्यूयॉर्क का मेयर नियुक्त नहीं कर सकते, हमारा लीडर क्या खाक तय करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शुक्रवार को ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- तेहरान के पास अमेरिकी-इजराइली हमले के खिलाफ देश की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हमने कसम खाई है कि देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा। उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व बदलने की बात करते हैं, जबकि वे अपने ही देश में न्यूयॉर्क के मेयर तक नियुक्त नहीं कर सकते। यह एक तरह का औपनिवेशिक नजरिया है। वे अपने देश में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन ईरान की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी ANI से चर्चा के दौरान खतीबजादेह ने कहा- ईरान इस समय पूरी तरह से युद्ध की स्थिति से गुजर रहा है। जब हम बात कर रहे हैं, मेरे साथी नागरिकों पर अमेरिका-इजराइल का लगातार हमला हो रहा है। मुझे लगता है कि अभी ईरान के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वह हमलावर के खिलाफ पूरी तरह से विरोध करे।

कुर्द ईरान की पहचान का अहम हिस्सा : अमेरिका के संभावित जमीनी हमले के सवाल पर उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी औपनिवेशिक मिशन को रोकने के लिए तैयार है।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- कहीं भी नमाज करना धार्मिक अधिकार नहीं

- सुरक्षा सबसे पहले ; एयरपोर्ट के पास शेड में नमाज की परमिशन देने से इनकार

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास नमाज पढ़ने की परमिशन देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता और किसी भी जगह नमाज पढ़ना धार्मिक अधिकार नहीं माना जा सकता।

जस्टिस बीपी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की बेंच टैक्सी और ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें मांग की गई थी कि एयरपोर्ट के पास एक अस्थायी शेड था, जहां वे नमाज पढ़ते थे, जिसे पिछले साल अधिकारियों ने हटा दिया। याचिका में ड्राइवरों ने उसी जगह या आसपास किसी अन्य जगह पर नमाज पढ़ने की परमिशन मांगी थी। कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया।

सर्वे में नमाज के लिए कोई जगह नहीं मिली

कोर्ट ने पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों से यह जांच करने को कहा था कि क्या याचिकाकर्ताओं को कोई वैकल्पिक जगह दी जा सकती है। गुरुवार को पेश की गई रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि सात जगहों का सर्वे किया गया, लेकिन भीड़, सुरक्षा चिंताओं और एयरपोर्ट डेवलपमेंट प्लान के कारण कोई भी जगह उपयुक्त नहीं पाई गई। रिपोर्ट देखने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि एयरपोर्ट के आसपास नमाज पढ़ने के लिए कोई जगह तय करना संभव नहीं है। कोर्ट ने कहा- धर्म हो या कुछ और सुरक्षा सबसे पहले आती है। इस एयरपोर्ट से हर धर्म के लोग यात्रा करते हैं, इसलिए सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।

'आक्रमण इसलिए हो रहे हैं क्योंकि हम सोए-बंटे हुए हैं'

भागवत बोलेः भेद और स्वार्थ को तिलांजली दें; संत ने कहा-जैनों को हिंदुओं से अलग न समझें

जैसलमेर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सद्भावना और एकता की बात करते हुए कटुम्ब मित्र बनाने के लिए कहा। वे बोले इसकी शुरुआत आज से होनी चाहिए। क्योंकि समय बड़ा कठिन है। आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं क्योंकि हम सोए और बंटे हुए हैं।

दरअसल, वे शुक्रवार को जैसलमेर में शुरू हुए चादर महोत्सव में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इससे पूर्व वे ई-रिक्शा में बैठकर सोनार दुर्ग गए। जहां पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिनभद्र सूरी ज्ञान भंडार और दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन किए।

इसके बाद वे देदांसर मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय चादर महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा- हम सभी भेद और स्वार्थ को तिलांजली दे और देश के लिए जीने-मरने को उतारूं हो जाए तो हमारा समाज अच्छा बनेगा, कलह और भेद खत्म हो जाएंगे तो भारत विश्वगुरु बनकर एक सुखी-सुंदर दुनिया को जन्म देगा।

वहीं इससे पूर्व जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज ने सभा में कहा- जैनों को हिंदुओं से अलग समझने का प्रयास कभी मत करना। हम हिंदुस्तान में रहने वालें और यहां रहने वाले का पहला धर्म हिंदू हैं। जैन धर्म परमात्मा महावीर की शिक्षाओं को आगे बढ़ाने का उपदेश है। कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत दादा गुरुदेव की स्मृति में स्मारक सिक्का और डाक टिकट का लोकार्पण तथा 'दादा गुरुदेव' पुस्तक का विमोचन किया।

भागवत बोले-झगड़े इसलिए होते हैं योंकि हम एकत्व को नहीं पहचानते

कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने ट्रेन की एक कहानी सुनाते हुए कहा- सीट को लेकर झगड़ा हुआ। लेकिन, तंबाकू खाने की बात पर दोनों में बातचीत शुरू हुई। दोनों की बातचीत में पता चला कि दोनों भाई थे, जो एक बचपन में गुम हो गया था। इसके बाद दोनों गले मिलकर रोने लगे। वे बोले-ये इसलिए है क्योंकि हम हमारे एकत्व को पहचानते नहीं, इसलिए झगड़े होते हैं। क्योंकि एक नहीं है तो अलग है। अलग है तो अलग-अलग स्वार्थ है। यदि अपने लोग है तो आधी रोटी भी बांटकर खाएंगे। सभी एक-एक टुकड़ा खाएंगे और सभी की भूख ठीक हो जाएगी। यदि अपने लोग नहीं है तो किसी को देगा नहीं। अपना खाकर समाधान नहीं होगा और दूसरे के पास मिठाई है तो वह अपने पास कैसे आ जाए ये भी सोचेगा। एकता का अनुभव करने के लिए जो जीवन है उसे पूर्ण व्यवस्थित करना और फल की इच्छा से मुक्त होकर करना। ये कुछ भी मेरा नहीं, कुछ भी सत्य नहीं है। एक प्रवृति और दूसरा निवृति मार्ग है।

केमिकल-फ्री और नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देकर कृषि निर्यात बढ़ाने पर जोरः पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण ऑर्गेनिक और केमिकल-फ्री खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत को इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादों को निर्यात उन्मुख बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने 'कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर ऑर्गेनिक डाइट, ऑर्गेनिक फूड और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में भारत के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और केमिकल-फ्री उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंचने का एक 'हाईवे' बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए प्रमाणन, प्रयोगशालाओं और आवश्यक ढांचे के विकास पर विचार कर रही है, लेकिन इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि केवल एक फसल पर निर्भर रहने से किसानों के लिए जोखिम बढ़ जाता है और आय के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसी कारण सरकार फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दे रही है। खाने के तेल और दालों के लिए राष्ट्रीय मिशन तथा प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन जैसे प्रयास कृषि क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक रणनीतिक स्तंभ है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले वर्षों में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है, जिससे किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में सुधार के कारण किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना तक लाभ मिल रहा है। संस्थागत ऋण की पहुंच 75 प्रतिशत से अधिक किसानों तक हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। इन पहलों के कारण किसानों का जोखिम कम हुआ है और कृषि क्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अनाज, दालों और तिलहन का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहा है, लेकिन 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश करते हुए कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा भरना आवश्यक है। इस वर्ष के बजट में इसी दिशा में कई नए अवसर प्रदान किए गए हैं, जो उत्पादकता बढ़ाने और कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार तेजी से खुल रहे हैं और दुनिया की मांग में बदलाव आ रहा है। ऐसे में भारत को अपनी कृषि को निर्यात उन्मुख बनाने पर ध्यान देना होगा। देश के विविध जलवायु क्षेत्रों और समृद्ध एग्रो-क्लाइमेटिक जोन का लाभ उठाकर विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में उच्च मूल्य वाली कृषि पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत नारियल, काजू, कोको और चंदन जैसी फसलों को क्षेत्रीय आधार पर प्रोत्साहित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत के राज्यों, विशेषकर केरल और तमिलनाडु में बड़ी मात्रा में नारियल का उत्पादन होता है, लेकिन कई स्थानों पर पेड़ पुराने हो चुके हैं और उनकी उत्पादकता कम हो गई है। इसलिए बजट में नारियल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि हिमालयी राज्यों में टेम्पर्ड नट फसलों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया गया है। जैसे-जैसे निर्यात उन्मुख उत्पादन बढ़ेगा, वैसे-वैसे प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इसके लिए सरकार, कृषि विशेषज्ञों, उद्योग और किसानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि उच्च मूल्य वाली कृषि को सामूहिक प्रयासों से बढ़ावा दिया जाए तो भारत का कृषि क्षेत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकता है। इसके लिए गुणवत्ता, ब्रांडिंग और अंतरराष्ट्रीय मानकों को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक बाजारों में मजबूत पहचान बन सके।

कर्नाटक में 16 साल के बच्चे नहीं चला सकेंगे व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम

सीएम ने सोशल मीडिया पर बैन का किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज शुक्रवार, 6 मार्च को राज्य में मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर पर को कम करने के लिए एक बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस पर बैन लगाने की बात कही है। सीएम सिद्धारमैया ने फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए 4.48 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में टेक्नोलॉजी से चलने वाली लर्निंग पहलों को रेगुलेटरी उपायों के साथ मिलाकर सुधारों का ऐलान किया गया है, ताकि बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा दी जा सके।

16 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन : सीएम सिद्धारमैया ने राज्य में 16 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की बात कही है। राज्य में जब यह नियम लागू होगा, तब कर्नाटक बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। सिद्धारमैया ने कहा, 'बच्चों पर बढ़ते मोबाइल इस्तेमाल के बुरे असर को रोकने के लिए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर दिया जाएगा।

कर्नाटक में AI-बेस्ट लर्निंग सिस्टम : सीएम सिद्धारमैया ने स्टूडेंट्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड लर्निंग सिस्टम का प्रस्ताव रखा। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार क्लास 8 से 12 तक के स्टूडेंट्स को सपोर्ट करने के लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) धारवाड़ के साथ मिलकर बनाया गया एक पर्सनलाइज्ड डिजिटल ट्यूटरिंग सिस्टम शुरू करेगी। इस प्रोग्राम से लगभग 1.22 मिलियन स्टूडेंट्स को फायदा होने की उम्मीद है और इसे 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लागू किया जाएगा। बेंगलुरु में यूनिवर्सिटी ऑफ विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को IITs की तरह डेवलपमेंट के लिए 500 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जिसमें से इस साल 100 करोड़ रुपये देने का फैसला लिया गया है।

चंडीगढ़ में सैलून संचालक पर जानलेवा हमला

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ के मौली जागरां के विकास नगर में पुरानी रंजिश के चलते कुछ युवकों ने सैलून का काम करने वाले एक युवक पर तेजधार हथियारों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान गुफरान निवासी विकास नगर, मौली जागरां के रूप में हुई है। उसके हाथों और शरीर के कई हिस्सों पर गहरे कट के निशान हैं। उसे इलाज के लिए सेक्टर-32 स्थित अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पीड़ित के भाई मुहम्मद इरफान ने बताया कि कुछ समय पहले विकास नगर में उनके घर के बाहर कुछ युवक खड़े होकर गाली-गलौच कर रहे थे। गुफरान ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की थी। इस मामले में उन्होंने मौली जागरां थाना पुलिस को शिकायत भी दी थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इरफान के अनुसार इसी रंजिश के चलते वीरवार दोपहर गुफरान पर हमला किया गया। उस समय गुफरान विकास नगर स्थित अपनी सैलून की दुकान पर काम कर रहा था। तभी कुछ युवक तेजधार हथियारों से लैस होकर वहां पहुंचे और आते ही गुफरान पर हमला कर दिया। हमले में गुफरान गंभीर रूप से घायल हो गया। झआसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे सेक्टर-32 अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आरोपितों की तलाश की जा रही है।

हाउस टैक्स वृद्धि पर प्रदर्शन : सीएम आगमन से पहले पार्षद नीरज गोयल हाउस अरेस्ट

गाजियाबाद, एजेंसी। हाउस टैक्स वृद्धि के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे पार्षद नीरज गोयल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने से पहले पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया। इसके बाद पार्षद नीरज गोयल बोले बेतहाशा हाउस टैक्स से नगरवासियों को राहत मिलनी चाहिए। नगर निगम ने हाउस टैक्स में बेतहाशा वृद्धि की गई है, जिसका पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन ने गाजियाबाद से लेकर लखनऊ तक विरोध किया। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए आगमन पर पार्षद नीरज गोयल को चौथी बार हाउस अरेस्ट किया गया। अरेस्ट के समय दर्जनों पुलिसकर्मी पार्षद संपर्क कार्यालय पर पहुंचे। पार्षद के निवेदन पर पुलिसकर्मियों की संख्या कुछ कम की गई, फिर भी लगभग दस पुलिसकर्मी अंतिम समय तक पार्षद के पास मौजूद रहे। पार्षद नीरज गोयल ने बताया कि सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल और नगरायुक्त विक्रमादित्य मलिक की एक बैठक हुई थी, जिसमें हाउस टैक्स वृद्धि में राहत देने पर चर्चा करते हुए समाधान की बात कही गई। इसी क्रम में सात मार्च को बोर्ड बैठक हो सकती है, जिसमें हाउस टैक्स में राहत मिल सकती है।

दीक्षांत समारोह की तैयारियों में जुटा विश्वविद्यालय, मेधावियों की बनाई जा रही है सूची

आगरा, एजेंसी। आगरा विश्वविद्यालय प्रशासन प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह कराने की तैयारी में जुटा है। इसके लिए सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम 20 मार्च तक जारी कर मेरिट सूची तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय प्रशासन इस बार भी प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह कराने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए जरूरी कार्य पूरे किए जा रहे हैं। विषम सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के सभी परिणाम भी 20 मार्च तक कर दिए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में करीब 325 पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इनके अधिकांश परिणाम जारी कर दिए हैं। 20 मार्च तक बचे हुए पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद अप्रैल में सम सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी, इनका भी परिणाम जून तक जारी कर दिया जाएगा। इसके आधार पर मेरिट बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस तरह से इस बार भी प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह कराया जाने का लक्ष्य रखा है। बीते साल भी डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रदेश में सबसे पहले दीक्षांत समारोह हुआ था।

सिंथेटिक रंगों से चेहरे पर चकत्ते, पक्के रंग छुड़ाने के लिए परेशान न हों ; इन बातों का रखें ध्यान

आगरा, एजेंसी। अगर आपकी त्वचा पर भी होली का पक्का रंग लगा है, तो इसे छुड़ाने के लिए ज्यादा परेशान न हों। अधिक रगड़ने या फिर बार-बार साबुन लगाने से परेशानी हो सकती है। आगरा के एसएन के मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में होली के बाद त्वचा की एलर्जी, अस्थमा और सांस रोगियों की संख्या बढ़ गई। ओपीडी में ऐसे कई मरीज आए, जिन्होंने रंग साफ करने के लिए बार-बार साबुन से मुंह धोया। इससे चकत्ते और एलर्जी की दिक्कत और बढ़ गई। डॉक्टरों ने दवा देने के साथ बचाव के बारे में भी बताया। त्वचा रोग विभागाध्यक्ष डॉ. यतेंद्र चाहर ने बताया कि ओपीडी में करीब 10 फीसदी मरीजों के चेहरे पर लाल-सफेद चकत्ते, दाने और गर्दन पर एलर्जी मिली है।

गुरुग्राम में होली पर मनकीरत औलख के शो में हंगामा, कई जगह झड़प और हादसे

गुरुग्राम, एजेंसी। होली के अवसर पर शहर में कई जगहों पर हुड़दंगबाजों ने माहौल को खराब किया। बुधवार को सेक्टर 29 स्थित जिमखाना क्लब में हुए पंजाबी गायक मनकीरत औलख के इवेंट के दौरान हंगामा हो गया। नौजवानों के बीच पहली लाइन में खड़े होने को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गया। लोगों ने एक-दूसरे से हाथापाई की। पुलिस ने झगड़ा करने वाले लोगों को बाहर कर माहौल को शांत कराया। इसके अलावा भी कई अन्य जगहों से हादसे और झगड़े की सूचनाएं पुलिस को दिनभर मिलती रहीं। बुधवार रात तक कई मामलों में घायल होकर 15 से ज्यादा घायल नागरिक अस्पताल पहुंचे। गुरुग्राम पुलिस ने होली पर हुड़दंग को रोकने के लिए शहर समेत ग्रामीण इलाकों में 37 जगहों पर नाकेबंदी कराई थी। इसके अलावा भी पुलिस की कई टीमें जगह-जगह पर गश्त करती रहीं। बुधवार दोपहर झगड़े की सूचना सेक्टर 29 जिमखाना क्लब से मिली। पता चला कि पंजाबी गायक मनकीरत औलख के शो के दौरान कुछ युवकों के बीच आगे खड़े होने को लेकर कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि कई लोगों के बीच धक्कामुक्की और मारपीट शुरू हो गई। कुछ युवकों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे भी चलाए। लोगों ने एक-दूसरे की टी-शर्ट व अन्य कपड़े फाड़ दिए। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कई युवक अर्धनग्न दिखाई दिए। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत हालात पर काबू पाया और झगड़ रहे युवकों को खींचकर स्टेज के पास से नीचे उतार दिया। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने झगड़ा कर रहे सभी लोगों को बाहर कर दिया। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार अलग-अलग जगहों पर कई हादसों की सूचनाएं भी मिलीं। इसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी का इलाज नागरिक अस्पताल में चल रहा है। वहीं फरुखनगर, पदौदी, बिलासपुर, सुशांत लोक, मानेसर में भी हुड़दंग के दौरान झगड़े की सूचनाएं मिलीं। इसमें भी लोगों को हल्की-फुल्की चोटें आईं। दूसरी ओर यातायात पुलिस ने बताया कि होली के दौरान पूरे दिन पुलिस ने कई जगहों पर वाहन चालकों की जांच की। इसमें 80 वाहन चालक शराब के नशे में पाए गए। इन सभी लोगों के चालान किए गए। वहीं द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्टंटबाजी का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि हुंडई वरना गाड़ी सवार एक युवक सनरूफ खोलकर बाहर निकला और उसने हवा में कैन से गुलाल उड़ाया। कई लोगों का कहना है कि इस तरह गुलाल उड़ाने से पीछे से आने वाले वाहन चालकों को दिक्कत हो सकती थी और हादसा हो सकता था।

चंडीगढ़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की दहशत

ट्राईसिटी के बड़े बिल्डर से मांगी 20 करोड़ की रंगदारी

चंडीगढ़, एजेंसी। ट्राईसिटी के बड़े कारोबारी एक बार फिर गैंग्सटरों के निशाने पर आ गए हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग और बंबीहा गैंग से जुड़े बदमाश लगातार शहर के व्यापारियों को रंगदारी के लिए धमका रहे हैं। ताजा मामले में सेक्टर-36डी निवासी एक कारोबारी से 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है।

शिकायत मिलने के बाद सेक्टर-36 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कारोबारी लोहित बंसल ने शिकायत में बताया कि 1 जनवरी से 14 फरवरी के बीच उन्हें कई बार वाट्सएप कॉल आई।

ये कॉल विदेशी नंबरों से की गई थीं। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य हैरी बॉक्सर बताते हुए उनसे 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

पीड़ित ने बताया कि लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर उन्होंने इसकी शिकायत सेक्टर-36 थाना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत और कॉल डिटेल के आधार पर हैरि बाक्सर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बंबीहा गैंग के विदेश में बैठे सहयोगी डोनी बल ने बिल्डर अंकित सिदाना के सेक्टर-21 स्थित घर पर फायरिंग करवाई थी। इसके बाद उनसे 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। हालांकि उस मामले में अभी तक पुलिस को कोई खास सफलता नहीं मिली है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और विदेशी नंबरों की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। वहीं शहर के व्यापारियों में इन घटनाओं के बाद चिंता का माहौल है।

गाजियाबाद में होली के बाद बढ़ी गर्मी

एक हफ्ते में 35 डिग्री सेल्सियस पहुंचेगा तापमान

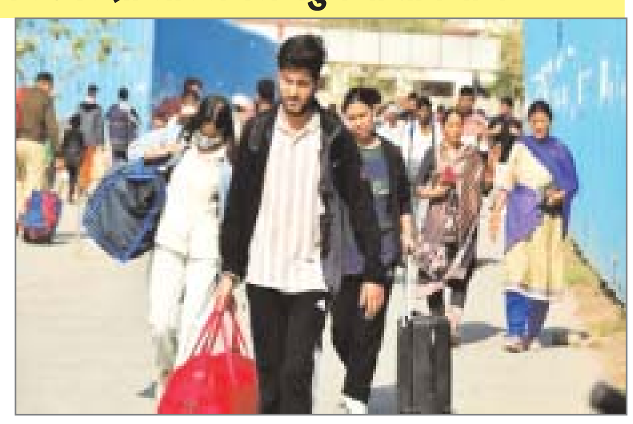

गाजियाबाद, एजेंसी। होली का त्योहार बीतने के साथ ही गर्मी अपना तेवर दिखाने लगी है। अब दोपहर में धूप में तेजी के साथ गर्मी भी काफी बढ़ चुकी है। बृहस्पतिवार को सुबह से शाम तक तेज धूप के साथ गर्मी भी दिन में बाकी दिनों के मुकाबले ज्यादा महसूस हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में धूप तेजी रहने के साथ तापमान में स्थिरता रहेगी। साथ ही गर्मी भी ज्यादा महसूस हो सकती है। हफ्तेभर में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

मार्च शुरू हो चुका है। ऐसे में अब हर दिन गर्मी बढ़ती हुई महसूस हो रही है। दिन ही नहीं रात में भी सर्दी पूरी तरह से बेअसर हो चुकी है। होली के त्योहार को भी अब दो दिन बीत चुके हैं। होली के दिन बुधवार को दोपहर में गर्मी महसूस होने लगी थी। साथ ही लोग धूप एवं गर्मी से बचाव का प्रयास करते हुए दिखे थे। वैसा ही मौसम बृहस्पतिवार को रहा।

सुबह से निकली चटकीली धूप शाम तक तपाती रही। ऐसे में दोपहर में लोगों को गर्मी ज्यादा महसूस हुई।

ऐसे में लोग गर्मी से बचाव का प्रयास करते हुए दिखे। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा अधिकतम 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता लगभग 43 प्रतिशत दर्ज की गई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन तेज धूप रहने के साथ तापमान में स्थिरता बनी रहेगी। हर दिन गर्मी बढ़ने का एहसास हो सकता है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा अधिकतम आठ किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 37 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध, समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

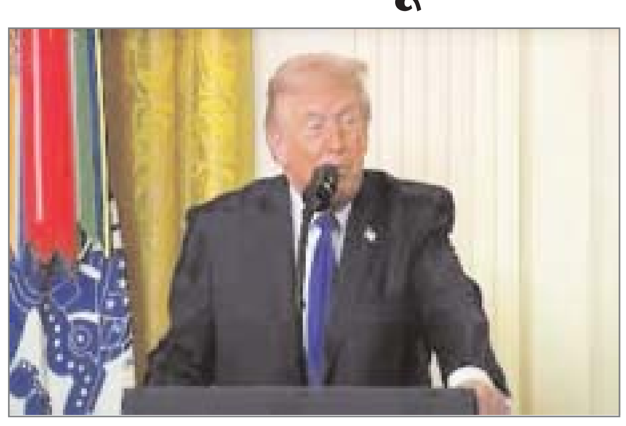

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के विरोध का सामना करना पडा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत बढ़ा और बेकार बताया। मार्च की इस मीटिंग में पहले दो घंटों के दौरान 28 लोगों ने अपनी बात रखी। इनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ने प्रोजेक्ट का समर्थन किया, जबकि बाकी सब इसके खिलाफ थे। एक आम नागरिक काई रोवन ने इसे भद्दा और जरूरत से ज्यादा बढ़ा बताया। इलिनोइस की पूर्व मेयर डायने मार्लिन ने कमीशन से अपील की कि वे इस पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि इसे सही करने के लिए और समय लेना चाहिए।

इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3300 करोड़ रुपये) है। ट्रंप का प्लान है कि यह पैसा दान के रूप में लिया जाए। इसी बात पर सबसे ज्यादा विवाद है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था कॉमन कॉज की एबिगेल बेलोज ने सवाल उठाया कि ये डोनर्स लाखों डॉलर बिना किसी फायदे के क्यों देंगे? उन्होंने आशंका जताई कि इसके बदले में डोनर्स सरकार से कुछ उम्मीद रख सकते हैं। हालांकि, कमीशन के चेयरमैन विल शार्फ ने कहा कि पैसों से जु?ी चिंताएं उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं। प्रोजेक्ट के पक्ष में बोलने वाली अकेली महिला तारा ब्राउन थीं। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को इस तोहफे के लिए शुक्रगुजार होना चाहिए। उनके मुताबिक, सुरक्षा के लिहाज से यह बॉलरूम बहुत जरूरी है और यह लोगों को एक साथ लाने का काम करेगा। कमीशन के पास इस प्रोजेक्ट को लेकर 35,000 से ज्यादा लिखित कमेंट्स आए हैं। इनमें से ज्यादातर लोग ट्रंप के उस प्लान के खिलाफ हैं जिसमें व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग की जगह 90,000 स्क्वायर फुट का नया हिस्सा बनाने की बात कही गई है। ट्रंप ने पिछले साल अक्टूबर में ही ईस्ट विंग को गिरा दिया था। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप को मंजूरी मिलने से पहले पुरानी इमारत नहीं गिरानी चाहिए थी। इस मामले में कानूनी लड़ाई भी चल रही है। नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन ने कोर्ट से इस निर्माण को रोकने की मांग की थी। उनका कहना है कि जब तक कांग्रेस और सरकारी पैनल से मंजूरी न मिल जाए, काम रुकना चाहिए। हालांकि, एक जज ने पिछले हफ्ते इस मांग को खारिज कर दिया। अब यह पैनल 2 अप्रैल को मीटिंग करेगा और प्रोजेक्ट पर अपना आखिरी वोट डालेगा। चेयरमैन विल शार्फ ने कहा कि वे चाहते हैं कि हर किसी को अपनी बात रखने का मौका मिले।

ईरानी हथियार से पस्त हुए एस और खाड़ी देश : जेलेंस्की से मांगनी पड़ी मदद, पश्चिम एशिया युद्ध में कूदेगा यूक्रेन

कीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में धधकती जंग के बीच एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। एक ओर डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अमेरिका की मजबूत स्थिति का दावा कर रहे हैं, वहीं अब इस मामले में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के ताजा बयान ने इस संघर्ष की दिशा ही बदल दी है। सवाल तो यहां तक उठ रहे है कि क्या अब इस संघर्ष में यूक्रन भी कूदने वाला है? आइए जानते हैं कि जेलेंस्की ने ऐसा क्या कहा? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरानी ड्रोन के खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देश यूक्रेन के अनुभव का सहारा लेना चाहते हैं। ऐसे समय में जेलेंस्की के इस बयान से एक बात तो साफ हो गई है कि यह टकराव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर अब वैश्विक सुरक्षा और कूटनीति तक फैलते नजर आ रहे हैं। इसके चलते कई देश अब यूक्रेन के अनुभव और तकनीक की ओर देख रहे हैं।

समझिए क्या कहा जेलेंस्की ने: अपने बयान में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देश ईरान के शाहेद ड्रोन से बचाव के लिए यूक्रेन के अनुभव का सहारा लेना चाहते हैं। जेलेंस्की के अनुसार अमेरिका समेत कई देशों ने यूक्रेन से संपर्क किया है। उन्होंने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के नेताओं से भी इस मुद्दे पर बातचीत की है। दरअसल, रूस ने पिछले चार वर्षों में यूक्रेन पर हजारों शाहेद ड्रोन से हमला किया है। हाल ही में रूस ने एक रात में 800 से ज्यादा ड्रोन और नकली लक्ष्य छोड़कर बड़ा हमला किया था।

अमेरिकी संसद में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव युद्ध रोकने का प्रस्ताव मामूली अंतर से खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ युद्ध ने अमेरिका की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बहस और तेज होने की संभावना है। लेकिन पिछले दो दिनों में दो बार अमेरिकी संसद में इस युद्ध को रोकने के लिए पेश प्रस्ताव वोटिंग के बाद गिर गए हैं। अमेरिका में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव तेज होने लगा है। अमेरिका में ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले रोकने के प्रस्ताव को बहुत कम अंतर से खारिज कर दिया। गुरुवार को हुए मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 212 वोट पड़े, जबकि 219 सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो ट्रंप प्रशासन को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ती, जब तक कि कांग्रेस इसकी अनुमति न देती। यह लगातार दूसरा दिन है जब अमेरिकी संसद में ऐसा प्रस्ताव गिरा है। इससे पहले सीनेट में भी इसी तरह का प्रस्ताव 47-53 मतों से खारिज हो चुका है।

कांग्रेस में ट्रंप की रणनीति को लेकर मतभेद: इस वोटिंग से साफ हो गया कि अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर सांसदों के बीच मतभेद गहरे हैं। कई सांसदों का कहना है कि संविधान के अनुसार युद्ध का फैसला करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप राजा नहीं हैं। अगर उन्हें लगता है कि ईरान से युद्ध अमेरिका के हित में है, तो उन्हें पहले कांग्रेस के सामने आकर इसकी जरूरत साबित करनी चाहिए।

रिपब्लिकन पार्टी का ट्रंप को समर्थन: अमेरिका की सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर सांसद ट्रंप के फैसले का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों के लिए खतरा बना हुआ था और यह सैन्य कार्रवाई उस खतरे को खत्म करने की कोशिश है। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मस्ट ने कहा कि राष्ट्रपति अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अमेरिका को तत्काल खतरे से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि युद्ध रोकने का प्रस्ताव राष्ट्रपति से कुछ न करने की मांग जैसा था।

डेमोक्रेट्स ने कहा- यह चुनाव का युद्धः वहीं डेमोक्रेट पार्टी के कई नेताओं ने ट्रंप के फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह एक चुनाव का युद्ध है, जिसे बिना कांग्रेस की अनुमति के शुरू किया गया। डेमोक्रेट सांसद जेमी रास्किन ने कहा कि संविधान साफ कहता है कि युद्ध का फैसला कांग्रेस करेगी। उनके मुताबिक अमेरिका को इतने बड़े फैसले से पहले व्यापक बहस और पारदर्शिता की जरूरत थी।

कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन में छात्रों ने दिखाया नवाचार का उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 6 मार्च को कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत अधिकांश आइडिया सामाजिक समस्याओं के समाधान से जुड़े रचनात्मक और नवाचारपूर्ण रहे, जिन्हें निर्णायक मंडल ने सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की। उन्होंने

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों में नवाचार और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं। साथ ही यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों को उनके विचारों को व्यवहारिक रूप देने के लिए निरंतर मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहा है। इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार प्रजापति ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में चयनित श्रेष्ठ आइडियाज को आगे विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को मेंटरशिप एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपने विचारों को स्टार्टअप के रूप में भी विकसित कर सकें। यह प्रतियोगिता उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्धारित कैलेंडर के अनुसार आयोजित की गई। कार्यक्रम में डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन (सहायक नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर), डॉ. गंगा बैरागी (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र) सहित महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अर्जुनसिंह दाऊ साहब हमारे पथ प्रदर्शक थे उनके हर निर्णय के केंद्र में गरीब, किसान और पिछड़ों का हित छुपा रहता था

अजय सिंह द्वारा दाऊ साहब की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, चुरहट (निप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह दाऊ साहब की 15वीं पुण्यतिथि पर आज सीधी जिले के चुरहट और जिले के अन्य स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया गया जिला कांग्रेस के तत्वाधान में कई जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए स्वर्गीय दाऊ साहब को चाहने वालों ने नम आंखों से उन्हें और प्रदेश के विकास में उनके योगदान को याद किया इसी तारतम्य में स्वर्गीय अर्जुन सिंह के विधायक पुत्र और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने चुरहट के रावसागर तालाब स्थित समाधि स्थल पर जाकर स्वर्गीय दाऊ साहब को पुष्पांजलि देकर श्रद्धांजलि अर्पित की उन्होंने स्वर्गीय अर्जुन सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया इस अवसर

पर कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय जनता उपस्थित थी। अजय सिंह ने कहा कि स्वर्गीय दाऊ साहब एक ऐसे राजनेता थे जिन्होंने देश और प्रदेश के विकास के हर पहलू में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का हित देखा उनके हर निर्णय के केंद्र बिंदु में दलित, गरीब, पिछड़ा वर्ग और किसानों का हित दिखाई देता था वह एक विद्वान व्यक्ति थे7 वे न केवल व्यक्ति थे बल्कि एक संस्था थे जिन्होंने अनेक लोगों को जनसेवा की राजनीति का रास्ता दिखाया राजनीति को वे सेवा का माध्यम मानते थे मृत्यु पर्यंत वह अपने आप को कांग्रेस का सिपाही कहते रहे मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक ऐसे पिता की संतान हूं आज उनका हमारे बीच न होना रिक्तता का एहसास कराता है वे सच्चे मायने में कांग्रेस जनों के पथ प्रदर्शक थे हम सभी उनको अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं श्रद्धांजलि सभा में सतना से आए सत्येंद्र पांडे और उनके साथियों ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किया सभा का संचालन कांग्रेस नेता डॉ महेंद्र सिंह चौहान ने किया

महिला ने खाया जहर, कुछ दिन पहले ससुराल से मायके आई थी पति बोला-सब कुछ सामान्य था इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के मझौली थाना क्षेत्र में एक महिला की जहर खाने से मौत हो गई। महिला ने अपने मायके में जहर खाया था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले अपने ससुराल से मायके आई थी जानकारी के अनुसार, मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम अतरैला निवासी गुढिया साहू (30) पत्नी गोकुल साहू कुछ दिन पहले अपने ससुराल से मायके मझौली आई हुई थीं। शुक्रवार को उन्होंने अज्ञात कारणों से जहर का सेवन कर लिया। परिजनों को जानकारी

मिलने पर गुढिया को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पति बोले-रात कर सामान्य था मृतका के पति गोकुल साहू ने बताया कि उनकी पत्नी उनके साथ मायके गई हुई थीं। उन्होंने कहा कि रात में सब सामान्य था और उन्हें किसी प्रकार की आशंका नहीं थी। सुबह परिजनों से जानकारी मिलने पर उन्हें जहर सेवन का पता चला। पति ने बताया कि उन्हें अभी तक समझ नहीं आ रहा है कि उनकी पत्नी ने यह कदम क्यों उठाया। घटना की सूचना मिलते ही मझौली थाना पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। टीआई बोले-पीएम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने बताया कि महिला की मौत के मामले में मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला ने किन परिस्थितियों में जहर का सेवन किया।

समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन हेतु जिले में 41 पंजीयन केंद्र निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास डॉ. राजेश सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी नीति निर्देशों के अनुसार तथा जिला उपार्जन समिति की सहमति उपरांत जिले में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों फसलों के उपार्जन के लिए पंजीयन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसके लिए जिले में कुल 41 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के पंजीकृत कृषकों से समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर उपार्जन के लिए दिनांक 20 फरवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक पंजीयन किया जा रहा है। किसान निर्धारित पंजीयन केंद्रों के माध्यम से अथवा ई-उपार्जन पर पंजीयन करा सकते हैं। इसी प्रकार सरसों फसल (भावांतर योजना) के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए भी जिले में 41 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। सरसों के लिए पंजीयन की अवधि 26 जनवरी 2026 से 20 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है। किसान सरसों फसल का पंजीयन भी ई-उपार्जन पोर्टल ूण्उचमनचंतरंदण्दपबण्पद पर कर सकते हैं। कृषि विभाग ने जिले के सभी पात्र किसानों से निर्धारित समयावधि में पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

उन्नत कृषि तकनीकों के प्रसार हेतु जिले में फसल प्रदर्शनों का व्यापक आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने और फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत व्यापक स्तर पर फसल प्रदर्शनों का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रदर्शनों के माध्यम से किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराते हुए आधुनिक एवं उन्नत कृषि पद्धतियों का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया जा रहा है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (दलहन) के अंतर्गत मसूर एवं चना फसलों के प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। मसूर का 280 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रदर्शन किया गया है, जिसके लिए 192 क्विंटल प्रमाणित बीज का उपयोग करते हुए लगभग 25 लाख रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार चना का 20 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रदर्शन करते हुए 16 क्विंटल बीज का उपयोग किया गया है, जिस पर 7.50 लाख रुपये का व्यय निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (गेहूं) के अंतर्गत 90 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं फसल का प्रदर्शन किया गया है। इसके लिए 90 क्विंटल प्रमाणित बीज का उपयोग करते हुए 8.10 लाख रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। साथ ही किसानों को 900 क्विंटल प्रमाणित गेहूं बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसकी शत-प्रतिशत पूर्ति कर ली गई है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (मोटा अनाज) के तहत जौ फसल का 200 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रदर्शन किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ÒASMITAÓ अंतर्गत जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता 08 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च 2026 को ÒASMITA - Achieving Sports Milestone by Inspiring Women Through ActionÓ पहल अंतर्गत जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल परिसर, रीवा में किया जाएगा। यह आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में माय भारत एवं खेल विभाग के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एथलेटिक्स स्पर्धाएँ (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर) एवं अन्य मनोरंजक खेल गतिविधियाँ विभिन्न आयु वर्गों - अंडर 13 वर्ष, 13-18 वर्ष एवं 18 वर्ष से अधिक - की बालिकाओं एवं महिलाओं हेतु आयोजित की जाएंगी। जिले से लगभग 1000 प्रतिभागियों की सहभागिता अपेक्षित है। इस आयोजन के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन, खेल एवं युवक कल्याण विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी (स्कूल शिक्षा), उच्च शिक्षा विभाग, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। छात्राओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से व्यापक मोबिलाइजेशन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में जिला खेल एवं युवक कल्याण अधिकारी के मार्गदर्शन में अनुभवी खिलाड़ियों एवं स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। आयोजन के दौरान चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला युवा अधिकारी ने जिले की समस्त बालिकाओं एवं महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

पूर्व, एसडीएम पर रिश्वत लेकर जमीन नामांतरण का आरोपचुरहट में 46 साल पुरानी जमीन पर कब्जा पीड़ित ने कलेक्टर से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की चुरहट तहसील के ग्राम लकोड़ा में जमीन नामांतरण को लेकर एक विवाद हो गया है। स्थानीय निवासी दुर्वासा पटेल ने पूर्व एसडीएम शैलेश द्विवेदी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उनकी पुश्तैनी जमीन को कथित तौर पर रिश्वत लेकर किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दिया गया है। 1979 से रिकॉर्ड में दर्ज थी जमीन पीड़ित दुर्वासा पटेल के अनुसार, खसरा नंबर 121 की यह जमीन उनके पिता ने वर्ष

दुर्वासा पटेल, पीड़ित

1979 में खरीदी थी। वर्ष 2026 तक राजस्व रिकॉर्ड में उनके परिवार का नाम दर्ज था और वे इस पर निरंतर खेती कर रहे थे। आरोप है कि लगभग एक महीने पहले तत्कालीन एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने बिना किसी सूचना या वैध प्रक्रिया के इस जमीन को आरती सिंह के नाम हस्तांतरित कर दिया। तबादले से ठीक पहले हुआ नामांतरण दुर्वासा पटेल का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर रुपयों का लेनदेन हुआ है। गौर करने वाली बात यह है कि इस विवादित नामांतरण के कुछ ही समय बाद एसडीएम शैलेश द्विवेदी का तबादला हो गया। पीड़ित ने अब जिला कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है और शुक्रवार को वर्तमान एसडीएम प्रियल सिंह को आवेदन सौंपकर जमीन के रिकॉर्ड की नकल मांगी है। अधिकारी बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई इस मामले में पूर्व एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने कहा कि तबादला होने के कारण उन्हें फिलहाल केस की पूरी जानकारी याद नहीं है और वे फाइल देखने के बाद ही स्थिति स्पष्ट कर पाएंगे। वहीं, हाल ही में पदभार ग्रहण करने वाली वर्तमान एसडीएम प्रियल सिंह ने कहा कि यह मामला उनके कार्यकाल का नहीं है, लेकिन यदि औपचारिक शिकायत मिलती है, तो पूरे मामले की गहन जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक 10 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अग्रणी जिला प्रबंधक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक का आयोजन 10 मार्च 2026 को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाएगा। बैठक में निर्धारित एजेंडे के अनुसार दिसंबर 2025 समाप्त तिमाही की प्रगति तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की बैंकवार समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में सभी बैंकों के जिला समन्वयकों एवं संबंधित शासकीय विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक जानकारी के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की पुष्टि एवं पालन प्रतिवेदन की बैंकवार समीक्षा, समस्त शासकीय योजनाओं की बैंकवार है। एवं शाखावार समीक्षा, जमा एवं अग्रिम अनुपात तथा अन्य बैंकिंग पैरामीटर की दिसंबर 2025 तक की प्रगति पर चर्चा की जाएगी। किया जाएगा। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, केसीसी पशुपालन एवं मत्स्य पालन, पीएमएफएमई योजना तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी।

श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति का होली मिलन समारोह 8 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के एसएएफ चौक स्थित सिंधु भवन में 8 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें समाज के सदस्य एकत्र होकर होली पर्व की खुशियाँ साझा करेंगे। इस समारोह का आयोजन श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति, जानकी पार्क रीवा एवं श्री झूलेलाल छठी महोत्सव समिति की महिला विंग विंध्य के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना है। होली मिलन समारोह में सांस्कृतिक माहौल के बीच एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी जाएंगी। साथ ही समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी और सदस्य आपसी संवाद के माध्यम से सामाजिक गतिविधियों पर भी चर्चा करेंगे।

समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि इस अवसर पर आगामी 25 मार्च को आयोजित होने वाले झूलेलाल छठी महोत्सव के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियों और विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श किया जाएगा ताकि महोत्सव को भव्य रूप से आयोजित किया जा सके। आयोजक समिति ने संस्था की महिला विंग, धर्मार्थ प्याऊ समिति के सभी सदस्यों तथा समाज के पदाधिकारियों से अपील की है कि वे समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर होली मिलन समारोह का आनंद लें और आगामी महोत्सव की तैयारियों में अपना सहयोग प्रदान करें।

छात्रवृत्ति योजना के आवेदन व नवीनीकरण की अंतिम तिथि 15 मार्च

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अपर आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र दिनांक 02 मार्च 2026 के अनुसार एमपीटास्क पोर्टल पर अनुसूचित जाति प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के नवीन एवं नवीनीकरण आवेदनों के लिए पोर्टल 15 मार्च 2026 से बंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं को सूचित किया गया है कि जिन विद्यार्थियों ने अभी तक एमपीटास्क पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल पंजीकृत नहीं कराई है अथवा आवेदन जमा नहीं किया है, वे 15 मार्च 2026 के पूर्व अनिवार्य रूप से अपनी प्रोफाइल ऑनलाइन पंजीकृत कर आवेदन प्रस्तुत करें।

नगर निगम की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई जारी, कई प्रमुख मार्गों से हटाया गया कब्जा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा शहर में बढ़ते अतिक्रमण को नियंत्रित करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम की टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क और पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान व्यापारियों और ठेला-गुमटी संचालकों को सख्त चेतावनी भी दी गई कि दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर चालानी कार्रवाई के साथ सामान जब्त किया जाएगा। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 06 मार्च को शहर के नये बस स्टैण्ड के आसपास सड़क और पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। यहां कई व्यापारियों द्वारा दुकान का सामान

सड़क किनारे तक फैलाकर रखा गया था, जिससे राहगीरों और वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया और व्यापारियों को भविष्य में इस प्रकार की स्थिति न बनने देने की चेतावनी दी। इसके अलावा सिरमौर चौक से सुभाष तिराहा तक सड़क किनारे की पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया। इस क्षेत्र में कई अस्थायी दुकानों, ठेलों और गुमटियों के कारण सड़क संकरी हो गई थी, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था। नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए पटरियों को खाली कराया और मार्ग को व्यवस्थित किया। अभियान के दौरान एजी कॉलेज मोड़ तिराहा, खन्ना चौक से जय स्तंभ तक तथा मानकामेश्वर मंदिर और साईं मंदिर के आसपास भी सड़क पटरी से अतिक्रमण हटाया गया। इन स्थानों पर ठेला और गुमटी संचालकों द्वारा किए गए अस्थायी अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। निगम अमले ने कार्रवाई करते हुए इन अतिक्रमणों को हटाया और मार्ग को सुगम बनाया, जिससे यातायात व्यवस्था को बहाल किया जा सका। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अतिक्रमण के कारण आए दिन यातायात जाम और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए निगम आयुक्त के निर्देश पर नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क और पटरियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई में अतिक्रमण प्रभारी राजेश चतुर्वेदी, रावेन्द्र शुक्ला, सुखेन्द्र चतुर्वेदी सहित अतिक्रमण सहायक और नगर निगम का अमला मौजूद रहा। टीम द्वारा पूरे अभियान के दौरान अतिक्रमण हटाते हुए लोगों को समझाइश भी दी गई कि वे सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार का कब्जा न करें और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें। नगर निगम ने नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाकर शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने में सहयोग दें। निगम प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई के साथ-साथ सामग्री जब्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 6 मार्च 2026 को कॉलेज लेवल आइडिया कॉम्पिटिशन का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत अधिकांश आइडिया सामाजिक समस्याओं के समाधान पर आधारित रचनात्मक और नवाचारपूर्ण रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों में नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से महाविद्यालय द्वारा निरंतर ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं, जो युवाओं को विचार से लेकर उसके सफल क्रियान्वयन तक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार प्रजापति ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित सर्वश्रेष्ठ विचारों को आगे विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को मेंटरशिप एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह प्रतियोगिता उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन (सहायक नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर), डॉ. गंगा बैरागी (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र) सहित महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नीतीश के बिना बिहार

संपादकीय

नीतीश कुमार राज्यसभा अवश्य जा रहे हैं, लेकिन बीते लगभग 20 वर्षों के अपने शासनकाल में वे जिस तरह बिहार को तमाम समस्याओं से उबारकर पटरी पर लाए, उसे देखते हुए उनके उत्तराधिकारी के सामने राज्य को तेजी से आगे ले जाने की चुनौती होगी। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ऐसे अनुमान लगाए जा रहे थे कि दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल शायद ही पूरा करें, लेकिन इसकी संभावना कम ही थी कि वह पांच माह के अंदर ही बिहार की कमान छोड़कर राज्यसभा जाने का फैसला ले लेंगे, लेकिन अंततः ऐसा ही होने जा रहा है। राज्यसभा के लिए उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है और अब इसकी प्रतीक्षा हो रही है कि उनकी जगह मुख्यमंत्री पद कौन संभालेगा? फिलहाल यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या राज्य की कमान जनता दल-यू के किसी नेता के हाथ होगी या फिर भाजपा के पास? अधिक संभावना यही है कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास आए और उप मुख्यमंत्री पद जनता दल-यू के हाथ, लेकिन इस बारे में अभी कुछ कहना कठिन है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में प्रवेश कर नई सरकार में कोई भूमिका निभाएंगे या नहीं?

जो स्पष्ट है, वह यही कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की लंबी पारी का अंत होने जा रहा है। यह एक तरह से एक युग का समापन है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के पीछे यह तर्क दिया कि उनकी इच्छा संसद के उच्च सदन जाने की थी, लेकिन इसमें कोई बहुत दम नहीं दिखता, क्योंकि यह स्वाभाविक नहीं जान पड़ता कि कोई मुख्यमंत्री और अपने दल का सर्वेसर्वा राज्य की बागडोर छोड़कर राज्यसभा में सेवाएं देने का फैसला करे।यह संभव है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्यगत कारणों से मुख्यमंत्री पद छोड़ने का फैसला किया हो। यदि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने के वास्तव में यही मूल कारण है तो उनकी प्रशंसा करनी होगी, क्योंकि आज के युग में ऐसे नेता दुर्लभ हैं, जो कमजोर स्वास्थ्य के कारण इतने बड़े पद का त्याग करने का निर्णय लें। उनके राज्यसभा जाने की बात सामने आते ही विपक्षी दलों की ओर यह जो शोर मचाया जा रहा है कि आखिरकार भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए बाध्य किया, वह अतिरंजित ही है, क्योंकि वे कोई सामान्य नेता नहीं। यह ठीक है कि विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ा दल है, लेकिन संख्याबल के मामले में जद-यू की उससे चार सीटें ही कम हैं। यह भी ध्यान रहे कि जद-यू पिछली विधानसभा के मुकाबले कहीं अधिक बेहतर स्थिति में है। ऐसे में ऐसे किसी आकलन को सही नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर किया।

सुशासन के शिखर से सियासी शून्य तक नीतीश कुमार के ऐतिहासिक अवसान की दास्तां

दिलीप कुमार पाठक

नीतीश कुमार भारतीय राजनीति के एक ऐसे विलक्षण चरित्र हैं, जिन्हें इतिहास क्या हो सकता था और क्या हो गए के बीच के द्वंद्व के रूप में याद रखेगा। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तो वह केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के एक नए विजन और सुशासन के प्रतीक बनकर उभरे थे। 2005 से 2010 का वह स्वर्ण काल आज भी बिहार के मानस पटल पर अंकित है, जब उन्होंने जंगलराज की राख से एक नए बिहार की नींव रखी थी। उस दौर में नीतीश कुमार का कद इतना विराट था कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे स्वाभाविक और योग्य दावेदार माना जाता था। उनकी तुलना अक्सर बड़े सुधारकों से की जाती थी, लेकिन आज का परिदृश्य कुछ और ही कहानी बयां करता है। नीतीश की सबसे बड़ी ताकत उनका प्रशासनिक विजन था। उन्होंने दिखा दिया था कि इच्छाशक्ति हो तो बिहार जैसे जटिल राज्य की कानून-व्यवस्था को बदला जा सकता है। सड़कों का जाल बिछाना, स्कूल की बच्चियों को साइकिल बांटकर सामाजिक क्रांति लाना और पंचायत चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देना–ये उनके ऐसे मास्टरस्ट्रोक थे जिन्होंने उन्हें विकास पुरुष की उपाधि दी। उन्होंने राजनीति को जाति के दलदल से निकालकर विकास की मेज पर लाने की गंभीर कोशिश की थी।

नीतीश कुमार में एक राष्ट्रीय नेता बनने की हर खूबी मौजूद थी–साफ सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और धर्मनिरपेक्ष साख। लेकिन 2013 के बाद उनकी राजनीति ने एक ऐसी करवट ली, जिसने उनकी विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। नरेंद्र मोदी के उदय के विरोध में एनडीए छोड़ना और फिर बार-बार गठबंधन बदलना उनकी राजनीति का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। यहीं से सुशासन बाबू की छवि धीरे-धीरे एक संकीर्ण पहचान में तब्दील होने लगी। एक ऐसा नेता जो कभी देश को दिशा देने की क्षमता रखता था, वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए छोटे-छोटे समीकरणों में उलझ कर रह गया। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी कमी उनकी अति-व्यावहारिकता रही, जो अंततः अवसरवाद के रूप में दिखने लगी। सत्ता के शीर्ष पर बने रहने की उनकी चाहत ने उनके वैचारिक आधार को कमजोर कर दिया। जब कोई नेता बार-बार अपने सिद्धांतों के विपरीत पाले बदलता है, तो वह जनता का विश्वास खो देता है। उनकी राजनीति धीरे-धीरे समावेशी विकास से हटकर केवल उत्तरजीविता की राजनीति बन गई। उन्होंने खुद को एक ऐसे घेरे में सीमित कर लिया जहाँ उनके पास न तो कोई बड़ा वैचारिक आधार बचा और न ही एक कड़क विद्रोही का तेवर। विशेष रूप से भाजपा के साथ उनके संबंधों का ग्राफ उनकी राजनीतिक गिरावट की सबसे बड़ी गवाह है। एक दौर वह था जब भाजपा में नीतीश कुमार का कद इतना बड़ा था कि उन्हें सिर-आंखों पर बिठाया जाता था। बिहार में भाजपा उनके पीछे खड़ी रहती थी और राष्ट्रीय स्तर पर वे एनडीए के सबसे प्रभावशाली चेहरे माने जाते थे। तब भाजपा उन्हें बड़ा भाई मानती थी और उनकी हर शर्त स्वीकार्य होती थी। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल उलट है। बार-बार गठबंधन बदलने और अपनी विश्वसनीयता खोने के कारण आज वे भाजपा के लिए केवल एक रणनीतिक आवश्यकता बनकर रह गए हैं। कल तक जो नीतीश भाजपा की दिशा तय करते थे, आज वे भाजपा की बिछाई हुई बिसात पर एक मोहरे के समान नजर आते हैं। अब गठबंधन में शर्तें वे नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है। यह एक सशक्त नेता का धीरे-धीरे हुआ वह अवसान है, जहाँ जिस भाजपा को वे कभी चुनौती देते थे, आज उसी की छत्रछाया में अपनी राजनीतिक आयु बढ़ाने को मजबूर हैं। यह एक विडंबना ही है कि जो नेता जातिवाद को खत्म करने की बात करता था, अंत में वह स्वयं जातीय गणना और छोटे कबीलाई वोट बैंक की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमट गया। विकास का बड़ा कैनवास अब गठबंधन के जोड़-तोड़ की छोटी फाइलों में दब गया है। जब नीतीश कुमार भविष्य में पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें निश्चित रूप से उस खोए हुए अवसर का मलाल होगा, जहाँ वह भारत के एक बड़े विकल्प का नेतृत्व कर सकते थे। इतिहास नीतीश कुमार का मूल्यांकन एक अधूरी क्रांति के नायक के रूप में करेगा। उन्हें एक ऐसे मुख्यमंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिसने बिहार को चलना सिखाया, लेकिन खुद को दौड़ने से रोक लिया। उनका अंत इस बात का प्रमाण है कि वह बहुत बड़ी सफलता के करीब पहुंचकर अपनी ही अस्थिरता की भेंट चढ़ गए।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय?

नीतिश कुमार को लंबे समय से 'सुशासन पुरुष' के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है।

नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे 'जनादेश के साथ खिलवाड़' और 'राजनीतिक समझौते की राजनीति' करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है।

किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है। बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है।

आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है। ऐसे में यदि नई सरकार दृढ़ नीतियों के साथ विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, तो यह सत्ता परिवर्तन राज्य के लिए नई दिशा और नई दशा का वाहक बन सकता है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे बिहार के लिए संभावित अवसर के रूप में देखते हैं- एक ऐसा अवसर, जिसमें सुशासन, विकास और सुरक्षित जनजीवन की नई धारा प्रवाहित हो सकती है और राज्य प्रगति के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर हो सकता है।

बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह निर्णय बिहार की राजनीति में किस प्रकार का अध्याय लिखता है लेकिन इतना निश्चित है कि यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई बहसों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं की ओर अवश्य ले जाएगा। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बारूद के ढेर पर दुनियां और तृतीय विश्व युद्ध की आशंका

डॉ. सुनीता बघेल

समकालीन वैश्विक परिदृश्य में 'शक्ति संतुलन' का पारंपरिक सिद्धांत अपने सबसे जटिल और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है, जहाँ पुरानी व्यवस्थाएं ध्वस्त हो रही हैं और नई व्यवस्थाएं अभी गर्भ में हैं। पश्चिम एशिया के हृदय स्थल में ईरान, इजराइल और अमेरिका के मध्य उभरता त्रिकोणीय संघर्ष मात्र एक क्षेत्रीय सैन्य गतिरोध या तात्कालिक तनाव नहीं है, बल्कि यह उत्तर–आधुनिक युग की उस 'रणनीतिक असुरक्षा' का जीवंत प्रतिबिंब है, जिसने दुनिया को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। 'बारूद के ढेर पर दुनिया' जैसे रूपक आज केवल साहित्यिक मुहावरे नहीं, बल्कि एक कठोर यथार्थ के रूप में उभरे हैं, जहाँ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के स्थापित प्रतिमान और कूटनीतिक वर्जनाएं तेजी से टूट रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के 'यथार्थवादी सिद्धांत' के आलोक में विश्लेषण करें तो यह संकट तीन धुरियों के मध्य अस्तित्वगत हितों का एक अपरिहार्य टकराव प्रतीत होता है। इजराइल के लिए सुरक्षा का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि 'अस्तित्वगत संप्रभुता' है, जो उसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी सैन्य क्षमता को एक 'अपरिवर्तनीय खतरे' के रूप में देखने पर विवश करती है। यही कारण है कि इजराइल की 'प्रतिरोधात्मक सुरक्षा' अब रक्षात्मक घेरे से बाहर निकलकर 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' यानी पूर्व–नियोजित हमलों की ओर मुड़ चुकी है।

दूसरी ओर, ईरान का 'रणनीतिक धैर्य' अब एक आक्रामक विस्तारवाद में परिवर्तित हो चुका है, जहाँ वह अपनी 'प्रतिरोध की धुरी' के माध्यम से न केवल 'छद्म युद्ध' की सीमाओं को लांघ रहा है, बल्कि प्रत्यक्ष सैन्य संलिप्तता के द्वारा क्षेत्रीय शक्ति संरचना को पुनः परिभाषित करने की चुनौती दे रहा है। इस समीकरण में अमेरिका की भूमिका एक ढलती हुई महाशक्ति की साख बचाने की ज?द्दोजहद जैसी है। 'लिबरल इंटरनेशनल ऑर्डर' के संरक्षक के रूप में अमेरिका के सामने अपने सबसे विश्वसनीयसहयोगी इजराइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और एक नए वैश्विक महायुद्ध में सीधे शामिल होने से बचने के बीच एक अत्यंत बारीक संतुलन साधने की चुनौती है। यह स्थिति इसलिए भी अधिक भयावह हो जाती है क्योंकि वर्तमान विश्व अब एक बहुध्रुवीय संक्रामक संघर्ष की चपेट में है। यूक्रेन–रूस युद्ध ने पहले ही वैश्विक शक्तियों को ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे रूस–चीन–ईरान की एक अनौपचारिक लेकिन रणनीतिक धुरी उभर रही है, जो पश्चिमी प्रभुत्व को सामूहिक चुनौती दे रही है। जब क्षेत्रीय संघर्षों में परमाणु संपन्न महाशक्तियाँ अपने हितों के कारण 'चेन रिएक्शन' की तरह शामिल होने लगती हैं, तो स्थानीय आग को विश्व युद्ध की लपटों में बदलते देर नहीं लगती।

तकनीकी मोर्चे पर, युद्ध का स्वरूप अब केवल सैनिकों और टैंकों तक सीमित नहीं रहा; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर हमले, और हाइपरसोनिक मिसाइलों के इस युग में युद्ध की गति कूटनीति की धीमी चाल से कहीं अधिक तीव्र हो चुकी है। एक छोटी सी तकनीकी 'मिसकैल्कुलेशन' या गलत अनुमान एक ऐसीप्रतिक्रिया शुरू कर सकता है जिसे रोकना किसी भी राष्ट्र के नियंत्रण में नहीं होगा। आर्थिक रूप से भी, 'वैश्वीकरण' जिसे कभी शांति का अग्रदूत माना जाता था, अब 'जियो–इकोनॉमिक्स' के एक घातक हथियार में बदल गया है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे संवेदनशील व्यापारिक मार्गों पर मंडराते खतरे ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को छिन्न–भिन्न कर दिया है, जिससे राष्ट्रों के भीतर संरक्षणवाद और असुरक्षा की भावना प्रबल हो रही है। अंततः, 'अराजकता अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मूल संरचना है ' और जब अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे संयुक्त राष्ट्र प्रभावहीन हो जाती हैं, तो शक्ति का नग्न प्रदर्शन ही अंतिम विकल्प बचता है।

निष्कर्षतः, तृतीय विश्व युद्ध की यह आहट वैश्विक कूटनीति की सामूहिक विफलता और 'शून्य–योग खेल' की आत्मघाती मानसिकता का परिणाम है। यद्यपि 'परमाणु निवारण' ने अब तक प्रत्यक्ष महाविनाश को टाला है, किंतु निरंतर जारी यह 'सीमित युद्ध' किसी भी क्षण अनियंत्रित होकर संपूर्ण मानवता के लिए सर्वनाश का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। समयकी मांग है कि वैश्विक समुदाय बारूद के इस ढेर को चिंगारी से बचाने के लिए 'सामूहिक सुरक्षा' के सिद्धांतों की ओर तत्काल लौटे।

विश्व त्रासदी :युद्ध अशांति अराजकता रक्तपात का दौर

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सीवार के जरिए टकराव हो रहा है।युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

बता देंकि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजराएल - हमास युद्ध और अब अमेरिका - इजराएल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है।

इसे हाल ही में अमरीका और इसराईल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ईरानी रेड क्रेसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं. इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इसराइल के हमले में मारी गईं 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं।

युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तराष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है।

यह भी विडंबना है की युद्ध प्रायः सत्ता, वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकाती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है।

विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है

आपको बता दें 2014 से जारी यमन के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है।

यमन की राजधानी सना स्थित होऊथी योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और अदन में स्थित मंसूर हादी की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है।

21 फरवरी, 2026 को होऊथी सेनाओं द्वारा राजधानी सना में हादी को उनके आवास पर नजरबंद करने के एक महीने बाद ही हादी वहां से भाग निकलने में सफल रहे और अदन आ गए और कहा कि होऊथी अधिग्रहण अवैध था और वह अब भी यमन के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं।

उधर इथोपिया में 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा विपक्षी पार्टी एल.पी.टी.एफ. के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई के कारण शुरू हुए गृह युद्ध से लाखों लोग विस्थापित हुए और सैंकड़ों लोग मारे गए। हालांकि नवम्बर, 2022 में हुए शांति समझौते के बाद झगड़े कम हुए हैं परंतु तनाव अभी बना हुआ है।

आपको पता है म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को वहां के मिलिट्री जुंटा ने आंग सान सू की की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके तुरंत बाद ही जुंटा कहलाने वाले सैन्य शासकों का भी विरोध शुरू हो गया और इसने एक भीषण गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। इस खूनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं।

7 अक्तूबर, 2023 को इसराईल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वामित्व और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इसराईल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इसराईली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं।

अफ्रीकी देश सुडान भी सूडानी सशस्त्र सेनाओं (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आर.एस.एफ.) के बीच 2023 से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है।

इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं।

उक्त सारे संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी नजर आ रही है।

युद्ध की विभीषिका हमें यह सिखाती है की हिंसा कभी समाधान नहीं हो सकती। मानवता का वास्तविक विकास शांति, सहयोग और पारस्परिक सहयोग में ही निहित है।

यदि विश्व समुदाय ने इतिहास से सबक नहीं लिया, भविष्य और भी भयावह हो सकता है। समय की मांग है की राष्ट्र अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाएँ और विश्व शांति को सर्वोपरि रखें। यदि अभी भी उन्होंने सबक न सीखा तो आजकल के हथियार पहले से बेहतर होने के कारण तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति में नुक्सान पिछले विश्व युद्धों में हुए नुक्सान से कहीं अधिक होगा और मानवता त्राहि-त्राहि कर उठेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महिला सशक्तिकरण की मिसाल एमसीबी में महिलाओं के हाथों में प्रशासनिक बागडोर

नारी शक्ति का नेतृत्व, जिले में 22 महिलाएं निभा रहीं प्रशासन और जनप्रतिनिधित्व की अहम जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। समाज में महिलाओं की भूमिका लगातार बदल रही है। आज महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रशासन, राजनीति, शिक्षा और विकास के हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। नवीन जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) इस परिवर्तन का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है, जहां नारी शक्ति प्रशासनिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिले में वर्तमान में 16 महिला प्रशासनिक अधिकारी और 6 निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि शीर्ष पदों पर कार्यरत हैं। ये महिलाएं अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ करते हुए जिले के प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। यह स्थिति न केवल महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है, बल्कि समाज में उनके प्रति बदलती सोच का भी प्रतीक है।

सुश्री शशिकला पैकरा, जिला आबकारी अधिकारी

दीपिका मिंज, सीएसपी

आज की महिला आत्मविश्वास, क्षमता और नेतृत्व कौशल के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। प्रशासनिक निर्णयों से लेकर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तक, महिलाएं अपनी दक्षता और संवेदनशीलता के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। एमसीबी जिले में महिला नेतृत्व का यह उदाहरण नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। प्रशासनिक नेतृत्व में महिला अधिकारी जिले में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के हाथों में है, जो अपने नेतृत्व में पुलिस प्रशासन को प्रभावी ढंग से संचालित कर रही हैं। वहीं जिला स्तर पर विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम निभा रही हैं। इसके अतिरिक्त नम्रता आनंद डोंगरे (अपर कलेक्टर), इंद्रा मिश्रा (एसडीएम केल्हारी), शशिकला पैकरा (जिला आबकारी अधिकारी), अंकिता मरकाम (सहायक आयुक्त आदिवासी विकास), श्रुति धुर्वे (तहसीलदार मनेंद्रगढ़), उमंग जैन (तहसीलदार), सतरूपा साहू (तहसीलदार केल्हारी), सिद्धि गबेल (तहसीलदार खड़गवां), वैशाली सिंह (सीईओ जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़), अंजना वाइकिल्फ (सीएमओ नगर पंचायत लेदरी), दीपिका मिंज (सीएसपी चिरमिरी), तरशीला टोप्पो (डीएसपी), सुश्री आराधना बनोदे (सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़) तथा विनीता चौरासे (जिला विपणन अधिकारी) जैसे कई महिला अधिकारी अपने-अपने पदों पर प्रभावी ढंग से जिम्मेदारियां निभा रही हैं। जनप्रतिनिधित्व में भी महिलाओं की सशक्त भूमिका प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय शासन व्यवस्था में भी महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। एमसीबी जिले में 6 महिला जनप्रतिनिधि विभिन्न पंचायतों और नगरीय निकायों में नेतृत्व कर रही हैं और जमीनी स्तर पर विकास कार्यों को गति दे रही हैं। इनमें जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत खड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पंचायत झगराखंड की अध्यक्ष ललिता यादव तथा रीमा यादव शामिल हैं। ये जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही महिलाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। प्रेरणा बन रहा एमसीबी घरेलू जिम्मेदारियों और सार्वजनिक जीवन के दायित्वों के बीच संतुलन बनाते हुए एमसीबी जिले की महिलाएं विकास और प्रशासन की नई मिसाल कायम कर रही हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि यदि अवसर और विश्वास मिले तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं। एमसीबी जिले में महिला नेतृत्व की यह मजबूत उपस्थिति न केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है। यह संदेश भी देती है कि समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्रीय सह प्रावीण्य (NMMSE) छात्रवृत्ति परीक्षा 02 मई को आयोजित होगी

मीडिया ऑडीटर,एमसीबी (निप्र)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना (NMMSE) के तहत 02 मई 2026 को परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में चयनित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययन के लिए प्रतिमाह 1000 रुपये की छात्रवृत्ति केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे ने बताया कि राष्ट्रीय सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों द्वारा ऑफलाइन आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में वही विद्यार्थी पात्र होंगे जिन्होंने राज्य शासन द्वारा संचालित विद्यालय से कक्षा 7वीं में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक (एससी/एसटी वर्ग के लिए 5 प्रतिशत की छूट) के साथ उत्तीर्ण किया हो। साथ ही विद्यार्थी के माता-पिता अथवा पालक की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय तथा अन्य आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। परीक्षा के लिए जिले के तीनों विकासखंडों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड - शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (शिक्षा विभाग) मनेन्द्रगढ़ भरतपुर विकासखंड - शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरतपुर खड़गवां विकासखंड - स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (हिंदी/अंग्रेजी माध्यम) खड़गवां जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे ने जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों से इस परीक्षा में सम्मिलित होकर राष्ट्रीय सह प्रावीण्य (NMMSE) छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

खाते में गलती से आए 1500 रुपये वापस करने पर भी बैंक से नहीं हटा होल्ड, एसपी से की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में एक युवक का बैंक खाता गलती से 1500 रुपये ट्रांसफर होने के बाद होल्ड कर दिया गया। युवक का आरोप है कि पैसे वापस करने के बावजूद संबंधित व्यक्ति ने शिकायत वापस नहीं ली, जिससे उसका खाता अभी भी होल्ड पर है। परेशान युवक ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पिछोर तहसील के ग्राम नांगुली निवासी अंकुश गिरि गोस्वामी वर्तमान में शिवपुरी शहर के छत्री रोड पर रहते हैं और काम करते हैं। उनका बैंक खाता इंडियन बैंक की शिवपुरी शाखा में है। अंकुश ने बताया कि 2 मार्च 2026 को जब उन्होंने अपने खाते से लेनदेन का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि उनके बैंक खाते पर होल्ड लगा हुआ है। बैंक से जानकारी लेने पर बताया गया कि साइबर क्राइम शाखा ने 1500 रुपये के एक लेनदेन के संबंध में खाते पर होल्ड लगाया है। अंकुश के अनुसार, प्रदीप सिंह बिष्ट नामक व्यक्ति ने उनके खाते में गलती से 1500 रुपये ट्रांसफर कर दिए थे। जब अंकुश ने प्रदीप से संपर्क किया, तो प्रदीप ने बताया कि पैसे गलती से भेजे गए थे और यदि अंकुश पैसे वापस कर देगा, तो वह शिकायत वापस ले लेगा और खाते से होल्ड हट जाएगा। युवक ने बताया कि खाते पर होल्ड होने के कारण उन्होंने 3 मार्च को दोपहर करीब 2:10 बजे 1500 रुपये प्रदीप सिंह बिष्ट के मोबाइल नंबर पर वापस ट्रांसफर कर दिए।

छत्तीसगढ़ की दर्शना बनेंगीआईपीएस दूसरे प्रयास में सफलता पिता किसान, मां नगर पंचायत पार्षद धमतरी के डीएसपी को मिला 623वां रैंक

मीडिया ऑडीटर,एमसीबी (निप्र)। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल?ट जारी कर दिया है। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जनकपुर की रहने वाली दर्शना सिंह ने 383वीं रैंक हासिल की है। वे आईपीएस बनेंगी। वहीं, धमतरी जिले के डीएसपी डायमंड सिंह ने 623 रैंक हासिल किया है। दर्शना सिंह ने आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग की है। उन्होंने दूसरे प्रयास में यह सफलता अर्जित की है। यूपीएससी के लिए चयनित दर्शना सिंह शुरू से मेधावी रही हैं। वर्ष 2017-18 में उन्होंने 97 प्रतिशत अंकों के साथ डीएवी स्कूल भगवानपुर से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उनका चयन आईआईटी कानपुर के लिए हुआ था। आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। दूसरे प्रयास मिली सफलता पिछले वर्ष भी दर्शना सिंह ने प्री और मेंस निकाल लिया था, लेकिन इंटरव्यू में उनका चयन नहीं हो सका। दूसरे प्रयास में उन्होंने 383वां रैंक हासिल किया है। दर्शना सिंह के पिता अरुण सिंह बघेल पेशे से किसान हैं। वे सोसाइटियों का संचालन भी करते हैं। दर्शना सिंह की मां सीमा सिंह जनकपुर नगर पंचायत की पार्षद हैं।

दर्शना सिंह | 383वीं रैंक

नोहरी गांव के पास मिला युवक का शव हाथ पर 'राजू' नाम और दो दिल के निशान मिले

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नोहरी गांव के पास रेलवे ट्रैक पर गुरुवार रात एक अज्ञात युवक का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस के अनुसार, युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है, जिससे उसका शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया था। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक के हाथ पर दो दिल के निशान बने हुए हैं और साथ ही 'राजू' नाम लिखा हुआ है। पुलिस इन निशानों के आधार पर युवक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। शुक्रवार सुबह तक भी युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस आसपास के थानों और लोगों से जानकारी जुटा रही है। युवक की पहचान होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह मामला आत्महत्या का है या कोई हादसा हुआ है।

महिला से मंगलसूत्र झपटा थाने से 250 मीटर दूर वारदात दो बदमाश बाइक से आए झपट्टा मारकर पिछोर की ओर भागे सीसीटीवी में कैद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के भौंती कस्बे में दिनदहाड़े लूट की घटना सामने आई है। पुलिस थाने से महज 250 मीटर दूर बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र झपट लिया और फरार हो गए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भौंती कस्बे के बाजार में हुई। कमरपुरा थाना करेरा निवासी ललिता प्रजापति होली की दोज पर अपने मायके महोबा गांव (थाना भौंती) आई थीं। वे अपनी मां और बेटे के साथ पैदल बस स्टैंड की ओर जा रही थीं, ताकि ससुराल लौट सकें। इसी दौरान सिरसौद-पिछोर मार्ग पर बाजार के बीच बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश उनके पास पहुंचे। एक बदमाश ने झपट्टा मारकर महिला के गले से मंगलसूत्र छीन लिया। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से पिछोर की ओर फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। थाने में 250 मीटर दूर हुई वारदात गौरतलब है कि यह वारदात भौंती थाने से महज 250 मीटर की दूरी पर हुई, जहां उस समय बाजार में सैकड़ों लोग मौजूद थे। इसके बावजूद बदमाश बेखौफ होकर लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले शनिवार को भी पिछोर थाना क्षेत्र में कट्टे की नोक पर एक महिला से दो मंगलसूत्र और चेन लूटने की घटना सामने आई थी। उस मामले में अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कुछ ही दिनों के भीतर हुई दूसरी लूट की घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। भौंती थाना प्रभारी घनश्याम भदोरिया ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गमी से लौट रहे युवक से लूट करने वाले वनखेड़ा पुलिया पर लूट की वारदात का खुलासा गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की बामौरकलां थाना पुलिस ने वनखेड़ा पुलिया के पास हुई लूट की वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, सोने की पुतईया और कैश बरामद किया गया है। बामौरकलां थाना प्रभारी संजय लोधी ने बताया कि 5 मार्च 2026 को ग्राम गोरवर, थाना खनियाधाना निवासी हनुमत लोधी (27) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के अनुसार, 3 मार्च की शाम करीब 7 बजे वह अपने रिश्तेदार की गमी से लौट रहा था। वनखेड़ा पुलिया के पास चार अज्ञात लोगों ने उसे रोका, मारपीट की और उसकी जेब से 15 हजार रुपये, एक मोटोरोला कंपनी का मोबाइल तथा गले में पहनी ओम छपी सोने की पुतईया लूटकर फरार हो गए। हनुमत लोधी की शिकायत पर बामौरकलां थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 25/2026, धारा 309(6) बीएनएस और 11/13 एमपीडीपीके एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि वारदात के बाद आरोपी खेतों के रास्ते भागे थे। आसपास के गांवों में सघन तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि वारदात के बाद आरोपी खेतों के रास्ते भागे थे।

शादी का झांसा देकर युवक से 40 हजार की ठगी सादे कागज पर कराए साइन न शादी कराई, न पैसे लौटाए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बामौरकला थाना क्षेत्र के विजरावन गांव में शादी कराने के नाम पर एक युवक से 40 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विजरावन गांव निवासी राहुल लोधी ने बताया कि उनकी शादी नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान गांव के सुरेश पंडा ने उनसे शादी कराने की बात कही और इसके लिए 40 हजार रुपए मांगे। शादी की उम्मीद में राहुल ने उसकी बात मान ली। सुरेश ने उन्हें एक युवती की फोटो भी दिखाई थी। पीड़ित बोला-सादे कागज पर हस्ताक्षर कराए राहुल के मुताबिक 26 सितंबर 2025 को उन्होंने सुरेश पंडा को 40 हजार रुपए दे दिए। इसके बाद सुरेश उन्हें शिवपुरी कोर्ट ले गया, जहां एक युवती भी मौजूद थी। वहां सादे कागज पर राहुल और युवती के हस्ताक्षर कराए गए और कहा गया कि कुछ दिनों बाद युवती को उसके घर से विदा कर दिया जाएगा। राहुल का आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बावजूद युवती की विदाई नहीं कराई गई। जब उन्होंने सुरेश पंडा से इस बारे में बात की तो वह टालमटोल करने लगा। पैसे वापस मांगने पर उसने राशि लौटाने से इनकार कर दिया और धमकी भी दी। पीड़ित ने बताया कि उसने इस मामले की शिकायत पहले बामौरकला थाने में भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद शुक्रवार को वह एसपी कार्यालय पहुंचा और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। राहुल ने कहा कि या तो उसकी शादी कराई जाए या फिर उसके 40 हजार रुपए वापस दिलाए जाएं।

जिले की 60 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर,एमसीबी (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालनालय से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऐसे ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जहाँ पिछले दो वर्षों के दौरान बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। इसी क्रम में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में भी ऐसी पहल किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले की लगभग 60 ग्राम पंचायतों और एक नगरीय निकाय से आवश्यक दस्तावेज संबंधित विभाग को प्राप्त हुए हैं। इन दस्तावेजों में यह उल्लेख किया गया है कि बीते दो वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों में बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तुत अभिलेखों के आधार पर इन पंचायतों और नगरीय निकाय को बाल विवाह मुक्त घोषित करने और प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि, विभाग की ओर से इस संबंध में आमजन को भी अपनी बात रखने का अवसर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य पक्ष के पास इन क्षेत्रों में बाल विवाह से संबंधित कोई जानकारी या आपत्ति है, तो वे इसे विभाग के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। बताया गया है कि इच्छुक पक्ष 10 मार्च 2026 तक कार्यालयीन समय, प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे के बीच, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला एमसीबी के कार्यालय में लिखित रूप में अपना दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही संबंधित तथ्यों और दस्तावेजों को प्रस्तुत करना भी आवश्यक बताया गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आपत्तियों और दावों की जांच के बाद ही अंतिम रूप से संबंधित ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

'दान से लाभ '- मनेंद्रगढ़ में महिला सशक्तिकरण से बदल रहा सामाजिक परिदृश्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाने वाला International WomenÓs Day महिलाओं की उपलब्धियों, अधिकारों और समानता के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह दिन केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों, अवसरों और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक संकल्प का भी दिन है। इस वर्ष का विषय 'दान से लाभ' इस बात को रेखांकित करता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण में किया गया निवेश केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का आधार बनता है। यदि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के सामाजिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो यहां भी महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ के इस जिले में शासन और प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आज क्षेत्र की महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत और ऋण की गतिविधियों के साथ-साथ स्वरोजगार और लघु उद्योगों से जुड़ रही हैं। कई समूह आज कृषि आधारित कार्यों, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। इससे न केवल परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ रही है। क्षेत्र में महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पोषण अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास, स्वास्थ्य जागरूकता और उद्यमिता से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। इससे महिलाएं रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसरों से जुड़ रही हैं। मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बेटियों की शिक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ी है और अभिभावक अब अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप कई बेटियां शिक्षा, खेल, कला और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और जिले का नाम रोशन कर रही हैं। स्थानीय शासन व्यवस्था में भी महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। पंचायत स्तर पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधि गांवों के विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। स्वच्छता, पोषण, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े अभियानों में उनकी भागीदारी ने ग्रामीण विकास को नई दिशा दी है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए भी प्रशासन और समाज दोनों स्तरों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जागरूकता अभियानों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है। इससे समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत हो रही है। इस वर्ष के महिला दिवस का संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं के सशक्तिकरण में किया गया हर प्रयास एक दीर्घकालिक निवेश है। जब महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के समान अवसर मिलते हैं, तो इसका लाभ पूरे समाज को मिलता है। सशक्त महिलाएं मजबूत परिवार और विकसित समाज की आधारशिला होती हैं। मनेंद्रगढ़ के परिदृश्य में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनकी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि सही दिशा में किए गए प्रयास सामाजिक परिवर्तन ला सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का यह अवसर हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में हम सभी मिलकर निरंतर प्रयास करते रहें।

खुरई में तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, चालक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। खुरई में गुरुवार रात खिमलासा रोड पर धांगर गांव के पास तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक राजेंद्र बंसल (50), जो सहोद्रा राय वार्ड के निवासी हैं, धांगर गांव से सवारियों को छोड़कर खुरई की ओर आ रहे थे। तभी खुरई से खिमलासा की तरफ जा रही एक कार ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही : ऑटो संघ के अध्यक्ष सोनू श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और घायल राजेंद्र बंसल को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया। उन्हें वहां भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी शहरी पुलिस को दे दी गई है, और पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही है।

शिक्षिका और पति को लट्ठ से पीटा, खंडवा में मकान निर्माण को लेकर पड़ोसियों से विवाद; पिता-पुत्र पर FIR

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के ईदगाह के पीछे दुध तलाई क्षेत्र में सरकारी शिक्षिका और उनके पति के साथ पड़ोसियों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दुध तलाई निवासी शीबा बीवी (46) पति मोहम्मद आरीफ, जो शासकीय शिक्षिका हैं, ने अपने पति के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 5 मार्च की शाम करीब 6 बजे वह अपने घर पर थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला वकार अहमद और उसका बेटा शाद उनके घर पहुंचे और मकान निर्माण को लेकर विवाद करने लगे।

मारपीट में घायल : आरोप है कि दोनों ने सरकारी जमीन पर मकान बनाने की बात को लेकर मां-बहन की अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। जब शीबा और उनके पति ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उनके साथ मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।शिकायत के अनुसार वकार अहमद ने लकड़ी से मोहम्मद आरीफ के दाहिने पैर पर वार किया, जिससे उन्हें चोट आई। मारपीट में शिक्षिका शीबा बीवी को भी पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं।टना के दौरान मोहम्मद तहसीन और शीबा के भाई मोहम्मद साकिर मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

बरगी डेम में डूबे युवक का शव 2दिन बाद मिला:होली खेलने के बाद नहाने गया था

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। जबलपुर में बरगी डेम में डूबे युवक का शव दो दिन बाद शुक्रवार सुबह बरामद किया गया। बरगी नगर जैन मंदिर के पास रहने वाला शैलेष नेमा (27) बुधवार को होली खेलने के बाद दोस्तों के साथ डेम में नहाने गया था, जहां गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। बरगी नगर पुलिस की मौजूदगी में गोताखोरों ने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

होली खेलने के बाद दोस्तों के साथ डेम पहुंचा : शैलेष नेमा बुधवार सुबह करीब 11 बजे घर से निकला था। वह दोस्तों रोहन कोइराला और सागर के साथ बरगी नगर में होली खेल रहा था। इसके बाद तीनों बरगी नगर चौक में बैठे और वहीं से डेम में नहाने जाने का प्लान बना। तीनों युवक बाइक से बरगी डेम के जीरो पॉइंट पहुंचे और वहां पानी में उतर गए।

गहरे पानी में जाने से डूबा युवक : रोहन कोइराला के अनुसार वह डेम किनारे बैठा हुआ था। इसी दौरान शैलेष पानी में चला गया और अचानक उसकी आवाज आई 'रोहन बचाओ।' शुरुआत में उसे लगा कि वह मजाक कर रहा है, क्योंकि शैलेष को तैरना आता था। कुछ ही देर में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।चाने की कोशिश में एक युवक 10 मिनट तक पकड़कर रहा रोहन के मुताबिक उसने डेम के ऊपर जाकर मदद मांगी। पास में मौजूद एक युवक ने पानी में उतरकर शैलेष को बचाने की कोशिश की और करीब 10 मिनट तक उसे पकड़कर रखा। थक जाने के कारण उसने शैलेष को छोड़ दिया, जिसके बाद वह गहरे पानी में डूब गया। रोहन ने पुलिस को बताया कि उसे तैरना नहीं आता था, इसलिए वह पानी में नहीं उतर सका।

एसडीआरएफ और गोताखोरों ने चलाया सर्च ऑपरेशन : टना की सूचना मिलते ही बरगी नगर चौकी प्रभारी सरिता पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार शाम तक डेम में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान रोक दिया गया। गुरुवार को फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन युवक का पता नहीं चल पाया। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे गोताखोरों ने फिर से डेम में तलाश शुरू की। करीब साढ़े 8 बजे शैलेष नेमा का शव पानी में मिला, जिसे बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया गया।

चेतावनी के बावजूद जीरो पॉइंट पार कर उतरे थे पानी में : पुलिस के अनुसार तीनों युवक डेम के उस जीरो पॉइंट तक पहुंचे थे, जहां डेम प्रबंधन ने गेट पार न करने की चेतावनी दी हुई है। इसके बावजूद वे करीब 40 फीट आगे जाकर पानी में उतर गए थे। डेम प्रबंधन ने पहले से ही इस क्षेत्र में अधिक गहराई होने के कारण वहां जाने से मना किया हुआ है। पुलिस ने दोनों दोस्तों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।शुरुआत में उसे लगा कि वह मजाक कर रहा है, क्योंकि शैलेष को तैरना आता था। कुछ ही देर में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।चाने की कोशिश में एक युवक कि उसे तैरना नहीं आता था, इसलिए वह पानी में नहीं उतर सका।

मंदसौर में वाहन चोरी करते रंगेहाथ पकड़ाए चोर

तीन बाइक बरामद सीसीटीवी खंगाल कर आरोपी तक पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलोदा थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दलोदा पुलिस ने गुरुवार शाम एक वाहन चोर को चोरी करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दलोदा और कोतवाली क्षेत्र से चोरी हुई तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं। मिली जानकारी के अनुसार, दलोदा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटना स्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पुलिस ने संभावित स्थानों पर आरोपी की तलाश की और विश्वसनीय मुखबिरों से सूचना संकलित की। पुलिस टीम ने अपने व्यावसायिक कौशल का उपयोग करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे

गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने आरोपी विक्रम उर्फ हवलदार पिता रामबीर सिंह बंजारा (26) निवासी थाना डोलना, जिला काशीराम नगर (उत्तरप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्तमान में मंदसौर के अभिनंदन नगर के पास डोसी बिल्डिंग क्षेत्र में रह रहा था और यहीं से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था।

तीन चोरी की मोटरसाइकिल जब्त: पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दलोदा और कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरी हुई कुल तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और संभावना जताई जा रही है कि उससे अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर नेशनल हाईवे-45 पर सड़क हादसा

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। रायसेन,एजेंसी। रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर नेशनल हाईवे-45 पर सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतक की पहचान बाड़ी निवासी 25 वर्षीय जितेंद्र कहार के रूप में हुई है। वह अपने साथी लोकेश अहिरवार के साथ बरेली से बाड़ी स्थित अपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही बाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को बाड़ी अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जितेंद्र कहार को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल लोकेश अहिरवार का अस्पताल में उपचार जारी है।

पाथाखेड़ा में युवक पर जानलेवा हमला चार गिरफ्तार पुरानी रंजिश में हुई मारपीट

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल के सारनी थाना क्षेत्र के पाथाखेड़ा में एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक घटना 3 मार्च की रात राजेंद्र नगर, पाथाखेड़ा की है। यहां 24 वर्षीय राजकमल गिरी पिता संजय गिरी पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

यह चार आरोपी गिरफ्तार : जांच के दौरान पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें समीर अंसारी (22) निवासी कैलाश नगर शोभापुर

कॉलोनी, प्रमोद उर्फ तरुण लाहोरिया (29) निवासी अंबेडकर नगर पाथाखेड़ा, सागर पवार (24) निवासी जगजीवन नगर पाथाखेड़ा और पवन पुरी (28) निवासी आजाद नगर पाथाखेड़ा शामिल हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर दिया है। जांच अधिकारी मनोज उईके ने बताया कि मामूली बहस के बाद विवाद बढ़ गया था, जिसके बाद यह हमला हुआ।

वहीं, इस मामले में मयूर मकवाने (23) निवासी बस स्टैंड के पीछे पाथाखेड़ा और मुकेश जायसवाल (35) निवासी जगजीवन नगर पाथाखेड़ा अभी फरार हैं। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

देवास में युवक के गले पर कैंची से हमला

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास के बीएनपी थाना क्षेत्र में एक युवक के गले पर कैंची से हमला कर उसे घायल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार घटना 23 फरवरी 2026 की है, जबकि मामले की रिपोर्ट 26 फरवरी को बीएनपी थाने में दर्ज कराई गई थी। बताया गया कि क्षेत्र में दो व्यक्तियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान पीड़ित युवक घायल हो गया।

खरगोन में केबल चोरी में नाबालिग समेत 2 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के जैतापुर थाना क्षेत्र में खेतों से मोटर पंप के कॉपर तार चोरी करने के आरोप में एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 19 हजार रुपये कीमत का 7.500 किलोग्राम केबल तार जब्त किया है। जैतापुर थाना प्रभारी सुदर्शन कलोसिया ने बताया कि लगभग एक माह पहले सोलना रोड के खेतों में मोटर पंप से केबल चोरी की वारदात हुई थी। पीड़ित किसानों की शिकायत पर धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस छानबीन के दौरान मेहरखट्टी निवासी राजेश उर्फ राजा पिता गुलाबसिंह अवासे और जोजनखेड़ी के एक नाबालिग का नाम सामने` चोरी की बात स्वीकार कर ली।

खेत पर पानी देने गए किसान की करंट से मौत, काफी देर तक घर नहीं पहुंचा

परिजन तलाश करते हुए खेत पर पहुंचे तो बेहोस मिला

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के सैलाना के ग्राम बोदीना में शुक्रवार सुबह खेत में पानी देने गए एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र (35) पिता ईश्वरलाल पाटीदार सुबह करीब 5.30 बजे खेत पर स्थित कुएं से सिंचाई के लिए पानी देना गया था। इस दौरान खेत में खुले पड़े बिजली के तार उसके पैरों में उलझ गए। इससे वह करंट की

चपेट में आ गया और मौके पर ही मौत हो गई।

घर नहीं पहुंचा तो चिंता हुई: काफी देर तक जितेंद्र जब घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। उसके बड़े पापा का बेटा गोपाल उसे देखने के लिए खेत पर कुएं के पास पहुंचा। वहां जितेंद्र जमीन पर बेसुध बड़ा था। तब उसने परिजनों को सूचना दी। परिजन समेत ग्रामीण कुएं पर पहुंचे लेकिन पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों और ग्रामीणों ने विद्युत वितरण कंपनी की लापरवाही को लेकर आक्रोश जताया।

पुलिस ने पहुंच बनाया पंचनामा : सूचना मिलने पर धामनोद चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को सैलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। धामनोद चौकी प्रभारी आनंद बागबान ने बताया मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

छतरपुर में ट्रक ड्राइवर का मिला शव,होली की दिन से था लापता

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र के हरद्वारपुर गांव में होली की दोज के दिन से लापता एक 26 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। युवक का शव गांव के पास स्थित पहाड़ पर पाया गया, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मृतक की पहचान मुकुंद यादव उर्फ बालमुकुंद (26) के रूप में हुई है। वह अविवाहित था और सागर में एक व्यापारी के यहां ट्रक चलाता था। परिवार में हुई शादी और होली के त्योहार के लिए वह अपने घर आया हुआ था। मृतक के चाचा किशन यादव ने बताया कि गुरुवार, होली के दिन दोपहर बालमुकुंद गांव के बाहर

सड़क पर बैठा था। चाचा ने उसे शराब न पीने की सलाह दी थी। इसके बाद से ही वह लापता हो गया था। शाम के समय एक बकरी चराने वाले ने बताया कि बालमुकुंद पहाड़ी पर पड़ा है। परिजन उसे वहां से उठाकर लाए और तुरंत लवकुशनगर के उप स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजन हनुमत यादव ने बताया कि बालमुकुंद ने होली के मौके पर शराब पी रखी थी, लेकिन गुरुवार दोपहर तक वह ठीक था। दोपहर से ही वह गायब था और घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने मौत की वजह पर आशंका व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह अधिक शराब, कोई जहरीला पदार्थ या प्राकृतिक मौत हो सकती है, जो जांच का विषय है। थाना पुलिस ने मामले को जांच में लिया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

युवक की संदिग्ध मौत के बाद नाबालिग ने लगाई फांसी टीआई बोले-दोनों पड़ोसी है, प्रेम प्रसंग की आशंका

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के समीप रामपुर गांव में दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों मृतक सोनतालाई के कोठा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात कारणों से का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहली घटना 4 मार्च बुधवार की रात 8 बजे से 5 मार्च की सुबह 5:30 बजे के बीच रामपुर में हुई। यहां भगवती उइके के बेटे प्रताप उइके (19) की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। प्रताप ग्राम कोठा सोनतालाई का निवासी था। इस संबंध में मामला क्रमांक 6/2026 दर्ज किया गया है।

पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही : दूसरी घटना गुरुवार सुबह 9 बजे रामपुर में सामने आई, जहां एक नाबालिग (15) ने फांसी लगाकर

आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना दोपहर 1:28 बजे पुलिस को मिली।

प्रतिज्ञा भी ग्राम कोठा सोनतालाई की निवासी थी। इस मामले में मामला क्रमांक 5/2026 दर्ज किया गया है। एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि नाबालिग के सुसाइड का मामला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही दोनों मामलों की पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी। पुलिस दोनों घटनाओं की गहनता से जांच कर रही है।

टीआई बोले-दोनों पड़ोसी है, प्रेम प्रसंग की आशंका : थाना प्रभारी विपिन पाल ने कहा, 'लड़का-लड़की पड़ोसी और एक ही समाज के थे। प्रेम प्रसंग की आशंका। युवक की मौत बाद लड़की ने सुसाइड किया। जांच जारी।' दोनों शवों का पीएम हो चुका, रिपोर्ट से खुलासा होगा। गांव में सनसनी फैल गई। जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक घटना 3 मार्च की रात राजेंद्र नगर, पाथाखेड़ा की है। यहां 24 वर्षीय राजकमल गिरी पिता संजय गिरी पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार, पहली घटना 4 मार्च बुधवार की रात 8 बजे से 5 मार्च की सुबह 5:30 बजे के बीच रामपुर में हुई। यहां भगवती उइके के बेटे प्रताप उइके (19) की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। प्रताप ग्राम कोठा सोनतालाई का निवासी था। इस संबंध में मामला क्रमांक 6/2026 दर्ज किया गया है।

सीहोर में पहली बार 36 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिले में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यह ठंड के मौसम के बाद पहली बार है जब पारा इतना ऊपर पहुंचा है। जिले का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। इससे पहले, अधिकतम तापमान लगातार 25 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था। होली के त्योहार के बाद अब अचानक गर्मी का अहसास होने लगा है, जो गर्मी के आगमन का संकेत है। जानकारी के अनुसार, सीहोर जिले में पिछले सवा दो महीनों में मौसम के चार अलग-अलग रूप देखे गए हैं। जनवरी में कड़ाके की ठंड थी, जबकि फरवरी में गर्मी, ठंड और बारिश तीनों मौसमों का अनुभव हुआ। अब मार्च महीने में अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। शासकीय कृषि कॉलेज में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि अब धीरे-धीरे अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी दर्ज होगी।

इंग्लैंड को 74 रन महंगी पड़ी हैरी ब्रूक की गलती

संजू सैमसन को तीसरे ओवर में दिया था जीवनदान

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार (5 मार्च) को इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 7 विकेट पर 253 रन बनाए। भारत के बड़े स्कोर तक पहुंचने में ओपनर संजू सैमसन ने अहम भूमिका निभाई। अभिषेक शर्मा के जल्दी आउट होने के बाद भी संजू ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखी और 42 गेंद पर 89 रन ठोक दिए। संजू ने इस पारी में 211.90 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। संजू ने 8 चौके और 7 छक्के लगाए। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संजू सैमसन ने आक्रामक शुरुआत की थी। जोफ्रा आर्चर के पहले ओवर में छक्का और चौका जड़ा, लेकिन वह थोड़े भाग्यशाली भी रहे। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने सैमसन का आसान कैच छोड़ दिया। ब्रूक की यह गलती इंग्लैंड को 74 रन महंगी पड़ी। सैमसन का जब कैच छूटा तब वह 15 रन बनाकर क्रीज पर थे। इसके बाद उन्होंने अपनी पारी में 74 रन और जोड़े।

ब्रूक ने आसान कैच टपकाया- संजू सैमसन ने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़ा। जोफ्रा आर्चर ने अगली गेंद पर फुल लेंथ पर की। सैमसन ने हवा में ड्राइव लगाने की कोशिश की। उनका बल्ला मुड़ गया। गेंद सीधे मिड-ऑन पर गई और इंग्लैंड के कप्तान ब्रूक ने आसान कैच टपका दिया। संजू ने चौथी गेंद पर छक्का जड़कर इंग्लैंड के जले पर नमक छिड़का।

संजू सैमसन का लगातार दूसरा अर्धशतक- संजू सैमसन ने 8वें ओवर की चौथी गेंद पर छक्के से अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इसके लिए 26 गेंद का सामना किया। सैमसन का यह लगातार दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने सुपर-8 के आखिरी मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी खेली थी और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। सैमसन ने अगर जड़ा होता तो वह टी20 वर्ल्ड कप में शतक जड़ने वाले दूसरी भारतीय बन जाते। इससे पहले 2010 में सुरेश रैना ने शतक जड़ा था।

विश्व के नंबर-1 बल्लेबाज और गेंदबाज लॉप

सूर्या-गंभीर की बढ़ी चिंता, फाइनल के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार (6 मार्च) को भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की चिंता कम नहीं हुई है। भारत को 8 मार्च को फाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। इससे पहले सूर्या और कोच गौतम गंभीर को भारत की प्लेइंग 11 को लेकर बड़ा फैसला लेना होगा। भारत के चिंता के कारण दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और नंबर-1 गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती हैं।

वानखेड़े में जब भारत और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की तब अभिषेक शर्मा सस्ते में पवेलियम लौट गए। उन्होंने 7 गेंद पर 9 रन बनाए। अभिषेक इस पूरे टूर्नामेंट में फ्लॉप रहे हैं। वह सिर्फ जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगा पाए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 ओवर में 64 रन दे दिए। वरुण भी पीछे कुछ मैचों से संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल से पहले भारतीय टीम को यह फैसला लेना है कि अभिषेक और वरुण पर भरोसा जताया जाए या नहीं।

भारत के पास विकल्प

भारतीय टीम के पास विशुद्ध बल्लेबाज के तौर पर रिंकू सिंह जैसा विकल्प है। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर ऑलराउंडर के तौर पर विकल्प हैं। गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाज और कुलदीप यादव स्पिन के विकल्प हैं। भारत की प्लेइंग 11 में बदलाव होता है तो अभिषेक की जगह रिंकू को मौका मिल सकता है। संजू सैमसन के साथ इशान किशन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। अभिषेक और वरुण लंबे समय से फेल- वरुण चक्रवर्ती की जगह कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है। हालांकि, फाइनल जैसे मुकाबले में टीमें विनिंग कॉम्बिनेशन से छेड़छाड़ करने से बचती हैं, लेकिन अभिषेक और वरुण लंबे समय से फेल हो रहे हैं। ऐसे में प्लेइंग 11 में बदलाव हो या न हो सूर्यकुमार और गंभीर की आलोचना तय है।

किदांबी श्रीकांतः भाई के नशेकदम पर चलकर बने शटलर

कोच की सलाह ने चमकाई किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। किदांबी श्रीकांत की गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ियों में होती है, जिन्होंने अपनी तेज आक्रामक खेल शैली से भारत को कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में गौरव दिलाया है। साल 2017 में 4 सुपर सीरीज खिताब जीतने वाले किदांबी ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 7 फरवरी 1993 को आंध्र प्रदेश के किसान परिवार में जन्मे श्रीकांत ने बड़े भाई को देखकर 7 साल की उम्र में रैकेट थामा था। उनके भाई नंद गोपाल किदांबी भी नामी बैडमिंटन खिलाड़ी रहे, जिनके नक्शेकदम पर चलते हुए किदांबी श्रीकांत ने इसी खेल में अपने करियर को बनाने का फैसला किया। श्रीकांत दो साल की ट्रेनिंग के लिए अपने भाई के साथ विशाखापत्तनम के साई सेंटर में रहने लगे। जल्द ही श्रीकांत ने पुलेला गोपीचंद एकेडमी में ट्रेनिंग शुरू कर दी, जहां उन्होंने कड़ी मेहनत की। साल 2011 में उन्होंने कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स में सिल्वर मेडल जीता, जिसके बाद ऑल इंडिया जूनियर इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। किदांबी को युगल खिलाड़ी के तौर पर सफलता मिलने लगी थी, लेकिन हेड कोच की सलाह पर एकल मुकाबलों में उतरने लगे। कोच की सलाह बेहद काम आई और साल 2013 में उन्होंने थाईलैंड ओपन का खिताब जीत लिया।

श्रीकांत ने साल 2014 में चीन के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट लिन डैन को उनके ही देश में शिकस्त देकर चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। साल 2015 में स्विस ओपन ग्रां प्री गोल्ड में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने।

2016 रियो ओलंपिक में किदांबी श्रीकांत ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन खिताब नहीं जीत सके।

साल 2017 किदांबी श्रीकांत के लिए बेहद खास रहा, जब उन्होंने पांच सुपर सीरीज के फाइनल में जगह बनाई और चार खिताब जीते। इसी के साथ वह एक कैलेंडर ईयर में चार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चोंग वेई, लिन डैन और चेन लोंग जैसे नामी खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गए।

बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए '500 विकेट'

मुंबई, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल के दौरान अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल किया। वह इंग्लैंड की पारी के पांचवें ओवर में अपने स्पेल की पहली गेंद पर पहला विकेट लेकर 500 इंटरनेशनल विकेट हासिल करने वाले आठवें भारतीय बन गए। 23 जनवरी 2016 को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से बुमराह ने सभी फॉर्मेट में 500 विकेट हासिल किए हैं। उनसे पहले अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, हरभजन सिंह, कपिल देव, रवींद्र जडेजा, जहीर खान और जवागल श्रीनाथ जैसे सात अन्य भारतीय गेंदबाज ऐसा कर चुके हैं।

अहमदाबाद के 32 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अब तक 52 टेस्ट में 234 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 94 टी20 मुकाबलों में 117 विकेट हासिल किए हैं, जो सभी फॉर्मेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और जबरदस्त असर को दिखाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बुमराह का प्रदर्शन भी उतना ही शानदार रहा है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम के लिए छह मैचों में नौ विकेट लिए थे, और सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 10 कर ली।

जसप्रीत बुमराह साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 मैचों में भारत के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। खास बात यह है कि उन्होंने पिछले महीने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पड़ोसी देश के खिलाफ ग्रुप-ए मैच के दौरान अपने पहले ही ओवर में दो पाकिस्तानी बल्लेबाजों, सैम अयूब और सलमान अली आगा को भी आउट किया था। 500 विकेट लेने के साथ ही बुमराह भारत के सबसे महान गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

बुमराह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अगर वह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सेमीफाइनल में चार विकेट ले लेते हैं, तो वह पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने के एनरिक नॉर्त्जे के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

आईएसएलः ईस्ट बंगाल और एफसी गोवा के बीच मुकाबला ड्रॉ, नहीं हुआ एक भी गोल

कोलकाता, एजेंसी। ईस्ट बंगाल एफसी और एफसी गोवा ने गुरुवार को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 सीजन के 22वें मैच में ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में एक भी गोल नहीं हुआ। यह देश के अलग-अलग कोनों से भारतीय फुटबॉल की दो बड़ी टीमों के बीच पहला गोललेस ड्रॉ था। गौर्स चार मैचों में आठ प्वाइंट्स के साथ टेबल में अस्थायी रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि द रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड चार मैचों में सात प्वाइंट्स के साथ एक स्थान नीचे है। मिगुएल फरेरा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्कर ब्रुजोन ने ईस्ट बंगाल की शुरुआती इलेवन में दो बदलाव किए। सीजन की पहली शुरुआत जय गुप्ता और एंटोन सोजबर्ग की जगह मोहम्मद राकिप और नाओरेम महेश सिंह को दी, जबकि एफसी गोवा के हेड कोच मनोलो मार्केज ने एक ही टीम में कोई बदलाव नहीं किया।

विजिटर्स को गोल की पहली झलक तब मिली जब ईशान पंडिता, डेजान ड्राजिक के लॉब किए गए पास पर डिफेंडर्स के पीछे दौड़े, लेकिन सेंटर-बैक अनवर अली ने एक जरूरी रिकवरी टैकल करके स्ट्राइकर को शॉट मारने से रोक दिया। इसके बाद ईस्ट बंगाल ने मिडफील्ड में बॉल पर कब्जा कर लिया, जबकि गोवा काउंटरअटैक पर खेलने के लिए तैयार था।

मैच का पहला शानदार मौका ईस्ट बंगाल के लिए 15 मिनट बाद आया। नाओरेम महेश सिंह ने लेफ्ट विंग पर बिपिन सिंह को एक एकदम सही वेटेड पास दिया। विंगर ने बॉक्स में यूसुफ एजेजारी के लिए एक सटीक क्रॉस दिया, जो अनमार्क्ड था, लेकिन स्ट्राइकर ने उनकी कोशिश को क्रॉसबार के ऊपर से मार दिया। दूसरी तरफ, प्रभसुखन सिंह गिल ने ब्रिसन फर्नांडीस के शॉट को कुशलता से बचाया, जब विजिटर्स ने आयुष देव छेत्री और बोरिस सिंह के साथ एक शानदार मूव से डिफेंस को भेद दिया। कुछ देर बाद, बोरिस का दाहिने पैर से किया गया शॉट पोस्ट से टकराया। मेजबान टीम भी गोल करने के करीब पहुंची, जब मोहम्मद राशिद ने दूर से एक जोरदार शॉट लगाया जो क्रॉसबार से टकरा गया। मिडफील्डर का यह शक्तिशाली प्रयास गोलकीपर के हाथों से निकलते हुए क्रॉसबार पर जा लगा। गोल के लिए कई कोशिशों के बावजूद दोनों टीमें हाफ-टाइम तक 0-0 की बराबरी पर रहीं।

दूसरे हाफ में मुकाबला काफी सतर्क अंदाज में खेला गया। दोनों टीमों ने अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत कर लिया, जिससे आक्रमण करने वाले खिलाड़ियों के लिए गोल के मौके बनाना मुश्किल हो गया। दोनों कोचों ने कुछ बदलाव भी किए, लेकिन इससे खेल की दिशा में ज्यादा फर्क नहीं पड़ा।

एफसी गोवा गोल करने के सबसे करीब तब पहुंची, जब अब्दुल रबीह ने बॉक्स के किनारे पर साथी सब्स्टीट्यूट रेनियर फर्नांडिस को पास दिया। हालांकि, मिडफील्डर का दाएं पैर से लगाया गया शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया।

भारत ने मैच जीता, जैकब बेथल ने दिल

● हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को हराया ● बेथल का शतक गया बेकार ● फाइनल में अब न्यूजीलैंड से भिड़ेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में 8 मार्च को भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने मैच जीता लेकिन इस मैच में दिल जैकब बेथल ने जीता। उन्होंने 48 गेंद पर 105 रन की बेहतरीन पारी खेली।

भारतीय टीम इस मैच में 253 रन बनाकर भी आखिरी दम तक लड़ती रही और उसका पूरा श्रेय जाता है इंग्लैंड की गेंदबाजी को। इंग्लैंड के लिए जैकब बेथल की शतकीय पारी के अलावा विल जैक्स ने 20 गेंद पर 35 रन की धुआंधार पारी खेली। वहीं अंत में जोफ्रा आर्चर ने 4 गेंद पर 19 रन बनाए लेकिन अंत में जीत भारतीय टीम को मिली।

जैकब बेथल ने जीता दिल- जैकब बेथल ने इस मैच में जो पारी खेली, उससे मैच इंग्लैंड भले नहीं जीता पाया, लेकिन इंग्लैंड ही नहीं भारतीय क्रिकेट फैंस के भी इस खिलाड़ी ने दिल जीते। जैकब बेथल आरसीबी के लिए आईपीएल में खेलते नजर आएंगे। निश्चित ही उनकी इस पारी से आरसीबी फैंस जरूर खुश हुए होंगे।

भारतीय टीम का चौथा फाइनल- टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में रिकॉर्ड चौथी बार पहुंची है। कोई भी टीम कभी चार फाइनल नहीं खेली है। भारत ने इससे पहले 2007, 2014, 2024 में फाइनल खेले थे। भारतीय टीम 2007 और 2024 में चैंपियन बनी थी। 2014 में भारत को फाइनल मैच में श्रीलंका ने मात दी थी।

सेमीफाइनल मैच में बने रिकॉर्ड रन- इस मैच में दोनों पारी मिलाकर कुल 499 रन बने हैं। टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी मैच का ओवरऑल यह सबसे बड़ा स्कोरकार्ड है। वहीं ओवरऑल टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड है। इस मैच में 34 छक्के भी लगे हैं जो एक टी20 वर्ल्ड कप के मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है।

फाइनल में बारिश बनी बाधा तो भारत-न्यूजीलैंड में कौन बनेगा चैंपियन, खिताबी मुकाबले के लिए रिजर्व डे का नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में 7 रन के करीबी जीत दर्ज की। अब इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारत का मुकाबला न्यूजीलैंड के साथ रविवार यानी 8 मार्च को खेला जाएगा। अब अगर फाइनल में बारिश बाधा बनती है तो दोनों में से कौन टीम चैंपियन बनेगी और क्या फाइनल के लिए रिजर्व डे का प्रावधान है, आइए इसके बारे में आपको बताते हैं।

फाइनल के लिए रखा गया है रिजर्व डे
आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल के लिए भी रिजर्व डे रखा हुआ है। 8 मार्च को फाइनल मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा, और अगर ये मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाता है तो फिर 9 मार्च यानी सोमवार को ये मैच खेला जाएगा। यहां ये बात गौर करने वाली है कि अगर 8 मार्च को कुछ देर मैच खेला गया और उसके बाद बारिश हो गई तो फिर 9 मार्च को मैच वहीं से शुरू होगा। अगर 8 को बारिश की वजह से मैच नहीं हुआ तो 9 मार्च को इसे नए सिरे से खेला जाएगा। फाइनल मैच में नतीजा निकालने के लिए दोनों टीमों को कम से कम 10-10 ओवर का मैच खेलना जरूर होगा। हालांकि अन्य टी20आई मुकाबले में 5-5 में ही नतीजा निकल जाता है, लेकिन आईसीसी के वर्ल्ड कप नियम के मुताबिक फाइनल में कम से कम दोनों टीमों के लिए 10-10 ओवर खेलना जरूरी होता है।

अगर नहीं हुआ मैच तो दोनों टीमें बनेंगी संयुक्त विजेता- फाइनल मैच के लिए आईसीसी ने कट ऑफ टाइम के लिए 90 मिनट अतिरिक्त दिए हुए हैं। वहीं रिजर्व डे में कट ऑफ टाइम 120 मिनट होगा। वहीं रिजर्व डे के दिन भी बारिश आ जाती है तो मैच का नतीजा नहीं निकल पाता है तो दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि रविवार को अहमदाबाद में बारिश की संभावना ना के बराबर है और पूरा मैच खेले जाने की उम्मीद है।

बुमराह होने चाहिए थे प्लेयर ऑफ द मैच

शतक नहीं रखता मायने; भारत के फाइनल में पहुंचने पर बोले संजू सैमसन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में रोमांच की हदें पार हो गईं। भारत ने इंग्लैंड को गुरुवार (5 मार्च) को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वानखेड़े में इतने रन बने के कि 253 रन बनाने बाद भी भारत मामूली अंतर से जीत पाया। संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सैमसन ने लगातार दूसरे मैच में बड़ी पारी खेली, लेकिन शतक से चूक गए। हालांकि, इसका उन्हें मलाल नहीं है। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद इंटरव्यू में कहा कि टी20 में शतक मायने नहीं रखता। इस मैच से पहले वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 रन बनाकर नाबाद रहे थे। सैमसन ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ कसीदे का काढ़े और कहा कि उनको प्लेयर ऑफ द मैच होना चाहिए था। बुमराह ने इंग्लैंड की पारी में 18वें ओवर में सिर्फ 6 रन दिए और मैच का नतीजा पलट दिया। बुमराह पर क्या बोले सैमसन- जसप्रीत बुमराह को संजू सैमसन ने कहा, '(जीत का) क्रेडिट जसप्रीत बुमराह को जाता है, वर्ल्ड क्लास बॉलर, पीढी में एक बार आने वाले गेंदबाज। मुझे लगता है कि आज उन्होंने यही किया। यह (सम्मान) असल में उन्हें मिलना चाहिए। अगर हम अंत के ओवरों में इस तरह से गेंदबाजी नहीं करते तो मुझे लगता है कि मैं यहां खड़ा नहीं होता। सारा क्रेडिट गेंदबाजों को जाता है। उन्होंने मुश्किल हालात में खुद पर भरोसा कायम रखा।'

शतक न जड़ने पर क्या बोले संजू सैमसन

संजू सैमसन से सवाल हुआ कि क्या शतक मायने रखता है? उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता। आप शतक नहीं बना सकते। यह प्रॉसेस में बन जाता है। यह टेस्ट क्रिकेट नहीं है। यह वनडे मैच नहीं है, जहां आप तेज खेलने के बाद संभल सकते हैं और फिर तेज खेल सकते हैं। आप पहले बल्लेबाजी कर रहे हैं और आपको शुरुआत मिल गई है तो आपके पास तेज बल्लेबाजी के अलावा कोई चारा नहीं है। मैच देश की जीत में योगदान देकर खुश हूं।

राज्यपाल ने माँ महामाया का दर्शन कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि खुशहाली की कामना की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज रतनपुर पहुंचकर माँ महामाया मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ महामाया से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में राज्यपाल का मंदिर समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, सहित श्री मोहित जायसवाल एवं माँ महामाया मंदिर समिति के पदाधिकारियों मौजूद थे।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाएं न केवल अपनी दैनिक जरूरतें पूरी कर रही हैं, बल्कि अपने कौशल का उपयोग कर परिवार की आय में भी योगदान दे रही हैं। कोरबा नगर के पोड़ीबहार क्षेत्र में निवासरत महंत परिवार की महिलाओं के जीवन में भी इस योजना से सकारात्मक परिवर्तन आया है। परिवार की मुखिया श्रीमती रथबाई महंत, उनकी पुत्री राधिका महंत तथा बहुएं गुरवारी और उर्मिला देवी इस योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

रथबाई महंत बताती हैं कि पहले सीमित संसाधनों और अवसरों के अभाव में परिवार की महिलाएं अपने कौशल का पूरा उपयोग नहीं कर पाती थीं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें अपने हुनर को आगे बढ़ाने का अवसर दिया है। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है।

परिवार की बहुएं गुरवारी और उर्मिला देवी बताती हैं कि पहले उन्हें छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली राशि से वे स्वयं अपने खर्चों का प्रबंधन कर रही हैं और परिवार की आय में सहयोग दे रही हैं। उर्मिला देवी ने बताया कि घर की महिलाएं अपनी आय का एक हिस्सा बैंक में बचत के रूप में जमा भी कर रही हैं।

वहीं राधिका महंत ने योजना से मिली सहायता का उपयोग कर घर पर सिलाई-कढ़ाई का कार्य प्रारंभ किया है। आसपास के लोग उनके पास कपड़े सिलवाने तथा फॉल-पीकू कराने के लिए आने लगे हैं, जिससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के साथ उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का विश्वास भी प्रदान किया है।

महतारी वंदन योजना की राशि से पूरी हो रही घर की जरूरतें

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बन गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे परिवार और समाज में आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभा सकें। योजना का लाभ लेकर प्रदेश की महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी कर रही हैं। बलरामपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत जाबर की निवासी श्रीमती रजमुनी देवी भी इस योजना से लाभान्वित महिलाओं में शामिल हैं। वे बताती हैं कि उनका परिवार मजदूरी पर निर्भर है और पहले सीमित आय के कारण घर का खर्च चलाना कठिन हो जाता था। ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है।

रजमुनी देवी के अनुसार, योजना के तहत हर महीने उनके बैंक खाते में एक हजार रुपये की राशि जमा हो जाती है, जिससे घर की छोटी-बड़ी जरूरतें आसानी से पूरी हो जाती हैं। वे कहती हैं कि पहले कई बार आवश्यक जरूरतों के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब हर महीने मिलने वाली राशि से काफी सहारा मिला है। उनके अनुसार यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल समय में संबल का काम कर रही है। रजमुनी देवी ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिल रही है।

राज्यपाल रमेन डेका ने किया अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा

जंगल सफारी का लिया आनंद, जनजातीय कला और प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज मुंगेली जिले के प्रसिद्ध अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जंगल सफारी का आनंद लिया और वनांचल की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की। उन्होंने प्राकृतिक वातावरण में वन्य जीव के संरक्षण को प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने आदिवासी अंचल की महिलाओं द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बैगा और गोंड जनजाति की पारंपरिक ट्राइबल पेंटिंग्स तथा स्थानीय हस्तशिल्प को विशेष रूप से सराहा।

राज्यपाल श्री डेका ने सिहावल क्षेत्र में वन्य प्राणी संरक्षण को और मजबूत करने के लिए आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जंगली हाथियों के प्रशिक्षण एवं प्रबंधन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान डीडी एटीआर ने बताया कि यह क्षेत्र हिरण, हाथी, टाइगर सहित कई वन्य प्राणियों के विचरण का प्रमुख क्षेत्र है।

गौरतलब है कि मुंगेली जिले का सिहावल क्षेत्र मनियारी नदी का उद्गम स्थल भी माना जाता है। कलेक्टर मुंगेली श्री कुन्दन कुमार द्वारा राज्यपाल को जनजातीय कला पर आधारित स्मृति चिन्ह एवं प्राकृतिक कोसे से निर्मित शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फील्ड डायरेक्टर अभिषेक सिंह, एडीसी ओम भविष्यकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, डीडी एटीआर, यू आर गणेशन, सीईओ जिला पंचायत प्रभाकर पांडेय सहित, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण, फूड एवं राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विकास पर चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) मनोज दयाल ने मंगलवार को कुलाधिपति एवं राज्यपाल माननीय श्री रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. दयाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य करने का अवसर देने और विकास के प्रति विश्वास जताने के लिए कुलाधिपति के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रोफेसर दयाल ने आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय के हित, प्रगति और शैक्षणिक गुणवत्ता को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सभी प्रयास कुलाधिपति के मार्गदर्शन में किए जाएंगे। भेंट के दौरान विश्वविद्यालय के भावी विकास के लिए तैयार रोडमैप, रूपरेखा और विभिन्न योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

महतारी वंदन योजना से ग्रामीण महिलाओं को मिल रहा संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक संबल बनी है। योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सरकार से प्रतिमाह प्राप्त होने वाली एक हजार रूपए की सहायता राशि से महिलाएं अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम मुकुवा में भी इस योजना का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है।

ग्राम मुकुवा की निवासी बॉबी बाई बताती हैं कि उनके पति लकवाग्रस्त होने के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं, जिससे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। गांव में कभी-कभार मिलने वाली मजदूरी से ही घर का खर्च चलता है। ऐसे में महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनके लिए सहारा बन गई है।

राज बिहान रसोई से आत्मनिर्भर बनीं महिलाएं

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिकाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर राजनांदगांव जिले की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। हुनर, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वे न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रही हैं। जिले में संचालित राज बिहान रसोई आज परंपरागत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिकाना बन चुका है।

इस रसोई का संचालन प्रतिज्ञा महिला स्व-सहायता समूह की लखपति दीदी ज्ञानेश्वरी निषाद कर रही हैं। वे बताती हैं कि जब उन्होंने छोटे स्तर पर इस काम की शुरुआत की थी, तब यह नहीं सोचा था कि यह व्यवसाय इतना आगे बढ़ जाएगा। उनका कहना है कि यदि महिलाएं ठान लें तो कोई भी कार्य कठिन नहीं होता।

कलेक्टोरेट परिसर में संचालित राज बिहान रसोई में चीला, बड़ा, फरा, चौसेला, मुगोड़ी, साबुदाना बड़ा, अइरसा, ठेठरी, खुर्मी और बालुशाही जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन उपलब्ध हैं। स्वादिष्ट पकवानों के कारण यहां लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं और मासिक आय लगभग 35 से 40 हजार रुपये तक पहुंच गई है।

ज्ञानेश्वरी बताती हैं कि पहले वे खेती-किसानी में परिवार की मदद करती थीं और आर्थिक स्थिति कमजोर थी। बाद में उन्होंने सामाजिक आयोजनों में भोजन बनाने का काम शुरू किया और बढ़ते ऑर्डर के बाद बिहान से ऋण लेकर राज बिहान रसोई की शुरुआत की। आज उनकी टीम की सभी महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन के सहयोग से उन्हें विभिन्न मेलों में भी अवसर मिला। गुरुग्राम, दिल्ली, कोलकाता, केरल, रायपुर और भिलाई के सरस मेलों में कैटरिंग कार्य कर उनकी टीम ने हर मेले में एक लाख रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ अर्जित किया। आज राज बिहान रसोई महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और सफलता की मिसाल बन चुकी है।

बिहान ने बदली रत्ना की तकदीर, फूलों की खेती से बनीं आत्मनिर्भर

ड्रिप तकनीक से सालभर गेंदा की खेती, त्योहारों में मिल रहा अच्छा दाम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की 'बिहान' (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत डिगमा की निवासी श्रीमती रत्ना मजुमदार इसकी प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने मेहनत और आधुनिक तकनीक के सहारे फूलों की खेती को सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

रत्ना बताती हैं कि उनके ससुर पारंपरिक रूप से छोटे स्तर पर फूलों की खेती करते थे। स्व-सहायता समूह 'माँ महामाया समूह' से जुड़ने के बाद उन्होंने इस कार्य को व्यावसायिक रूप देने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से उन्हें एक लाख रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने एक एकड़ में आधुनिक पद्धति से फूलों की खेती शुरू की। आज उनकी खेती दो एकड़ तक फैल चुकी है।

रत्ना ने खेती में ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) जैसी आधुनिक तकनीक अपनाई है। उन्होंने बताया कि उन्नत किस्म के पौधे कोलकाता से मंगाए जाते हैं, जो लगभग 24 दिनों में फूल देना शुरू कर देते हैं और तीन महीने तक उत्पादन देते हैं। वर्तमान में वे गेंदा फूल की लाल, नारंगी और पीली किस्मों की खेती कर रही हैं, वहीं सर्दियों में चेरी की खेती भी करती हैं। नवरात्रि, शिवरात्रि, रामनवमी और दीपावली जैसे त्योहारों में फूलों की मांग बढ़ने से उन्हें अच्छा लाभ मिलता है। उन्होंने समूह से लिया ऋण समय पर चुका दिया है और अब होने वाले मुनाफे को खेती के विस्तार में लगा रही हैं।

रत्ना अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को देते हुए कहती हैं कि बिहान से जुड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। आज वे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में नई पहचान भी बना रही हैं।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण आजीविकास मिशन बिहान से बनी लखपति दीदी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखण्ड बलरामपुर के वाड्रफनगर की ग्राम पंचायत गोवर्धनपुर की निवासी श्रीमती श्यामबाई ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी मेहनत और लगन से आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार करते हुए लखपति दीदी बनने की उपलब्धि हासिल की है। श्यामबाई बताती हैं कि पहले उनका परिवार खेती और मजदूरी पर निर्भर था तथा परिवार की वार्षिक आय लगभग 50 हजार रुपये ही थी। सीमित आय में परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी कठिन हो जाता था। आर्थिक स्थिति में सुधार के उद्देश्य से उन्होंने बबीता महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया।

समूह के माध्यम से उन्हें बिहान मिशन के तहत 10 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश निधि तथा 12 हजार रुपये का बैंक क्रेडिट लिंकेज प्राप्त हुआ। इस राशि का उपयोग करते हुए श्यामबाई ने अपने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। निरंतर मेहनत, लगन और समूह के सहयोग से उनके व्यवसाय में धीरे-धीरे वृद्धि हुई, जिससे उनकी वार्षिक आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और वे आज 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं।

मजबूत इरादों और सरकारी योजनाओं के सहयोग से सपना हुआ साकार-चित्ररेखा

लखपति दीदी बनीं चित्ररेखा धुरी की संघर्ष से आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मजबूत इरादों और सरकारी योजनाओं के तालमेल से जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और हर सपना साकार करना संभव है। सरकार की विभिन्न योजनाएं जैसे कि सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा, समावेशी विकास सुनिश्चित करती हैं और हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाती हैं। बिलासपुर जिले के जनपद पंचायत बिल्हा के भैंसबोड क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नगपुरा की संस्कार समूह से जुड़ी बिहान दीदी चित्ररेखा धुरी ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों और सरकारी योजनाओं के सहयोग से हर सपना साकार किया जा सकता है। सीमित संसाधनों के बीच जीवनयापन कर रहीं चित्र रेखा ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की राह चुनी और आज वे लखपति दीदी के रूप में पहचानी जा रही हैं। चित्ररेखा ने आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए सरकारी योजनाओं को बड़ा संबल बताया उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का जन हितैषी योजनाओं के लिए आभार जताया है, जिससे हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। समूह में जुड़ने से पूर्व बिहान दीदी चित्रेखा धुरी के परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी। घरेलू जिम्मेदारियों के साथ परिवार के लिए आय के सीमित साधन होने के कारण अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। ऐसे समय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की बिहान योजना के तहत संस्कार समूह ने उन्हें न केवल आर्थिक सहयोग दिया, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाया। समूह से ऋण प्राप्त कर उन्होंने ई-रिक्शा खरीदा और संचालन की जिम्मेदारी अपने पति को दी।

चित्ररेखा का यह कदम उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आया। ई-रिक्शा संचालन से नियमित आय होने लगी तो उन्होंने सिलाई कार्य भी शुरू की। गांव की महिलाओं और बच्चों के कपड़े सिलाई कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने लगीं। इसके साथ ही घर के पास सब्जी बाड़ी तैयार कर मौसमी सब्जियों का उत्पादन भी शुरू की, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी होने के साथ बाजार में बिक्री से लाभ भी मिलने लगी।

तीनों कार्यों से आय के स्रोत मजबूत हुए और धीरे-धीरे उनकी वार्षिक आय लाख रुपये से अधिक हो गई। आज चित्ररेखा धुरी आर्थिक रूप से सशक्त हंर और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। चित्ररेखा की सफलता ने गांव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है कि वे स्व- सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। वे खुश होकर बताती हैं कि उन्हें महतारी वंदन योजना का भी मिलता है, जिससे उन्हें अपनी छोटी छोटी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। वे कहती है कि मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल का ही परिणाम है कि महिलाओं के हाथ में उनका अपना पैसा है और शासन की अनेक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर उन जैसी अनेक महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं।

वंचित परिवार के कष्ट भरे जीवन में सपनों की हकीकत बनकर आया प्रधानमंत्री आवास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रत्येक जनहितकारी योजना का लाभ यदि वास्तविक लाभार्थी तक पहुंचता है तो उसका एक अलग ही परिणाम देखने को मिलता है। प्रधानमंत्री आवास जैसी योजना का दायरा उन तमाम वंचित परिवारों को राहत की छांव देने का माध्यम बन रहा है, जिनके सपनों में भी पक्के छत का आसरा नहीं था। कोरिया जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत भांड़ी में रहने वाले ऐसे ही एक वंचित परिवार के लिए उनका पक्का आवास का सपना हकीकत में बदल चुका है। कोरिया के जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भांडी में रहने वाली श्रीमती जलकी रानी अपने पति दुलार साय और दो बच्चों यानी कुल चार बच्चों के साथ एक कच्चे मकान में जीवन यापन कर रही थीं। मिट्टी की दीवारें, बारिश के दौरान टपकती खपरैल और हर बिगड़ते मौसम में बच्चों की सुरक्षा की चिंता यही उनकी रोजमर्रा की सच्चाई बन चुकी थी। बरसात में घर के भीतर पानी भर जाता, गर्मी में तपती छत और सर्दी में ठंडी हवाएँ दैनिक जीवन संघर्ष में परिवार की परेशानियाँ और बढ़ा देती थीं। श्रीमती जलकी रानी के वंचित परिवार की आय का मुख्य स्त्रोत मजदूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मनरेगा जैसी योजना के माध्यम से उन्हे सौ दिवस के रोजगार के बाद अन्य किसानों के खेतों में मजदूरी कर किसी तरह अपने बच्चों का पालन-पोषण करते थे। मजदूरी से मिलने वाली सीमित आय और परिवार में बच्चों की बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच इस दंपत्ति का जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण होने से उनके लिए पक्के मकान का सपना केवल सपने जैसा ही था।

इस परिवार के दैनिक जीवन में आशा की एक नई किरण के रूप में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत उन्हें पक्के घर की स्वीकृति मिली। यह उनके लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं थी। स्वीकृति मिलने के बाद जलकी रानी और दुलार साय ने पूरे मन से घर बनाने का कार्य शुरू किया और मनरेगा में काम करने से नब्बे दिन की मजदूरी राशि को भी अपने घर निर्माण में लगाया। दोनो पति पत्नी के द्वारा आवास बनाने के लिए निर्माण कार्य में हाथ बंटाया और उन्होंने अपने सपनों का घर खड़ा किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जलकी रानी के परिवार के लिए वह दिन आया जब कच्चे मकान की जगह एक मजबूत सपनों की हकीकत लिए एक पक्का घर खड़ा है। पक्की छत के नीचे पूरा परिवार सुरक्षित और खुशहाल महसूस कर रहा है अब बच्चों के चेहरे पर मुस्कान है और माता-पिता की आँखों में संतोष का भाव। खुश होकर जलकी रानी कहती हैं कि यह घर केवल उनकी मेहनत और आवास योजना से पूरे हुए सपनों का प्रतीक है।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय में होली मिलन

कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने दिया प्रेम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में होली मिलन कार्यक्रम पारंपरिक उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रशासनिक भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) मनोज दयाल ने सभी प्राध्यापकों, अतिथि व्याख्याताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित विश्वविद्यालय परिवार को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने विश्वविद्यालय के 'रेडियो संवाद' के माध्यम से भी होली पर्व पर अपना शुभकामना संदेश प्रसारित किया। होली मिलन कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रंगों के इस पर्व का आनंद लिया। कुलपति प्रो. दयाल ने कहा कि रंगों का यह पावन पर्व समाज में प्रेम, भाईचारे, समरसता और एकता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्यौहार ही नहीं, बल्कि कुटुंब प्रबोधन और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने का अवसर भी है। उन्होंने सभी से अपील की कि त्योहार को स्वदेशी जीवन शैली के अनुरूप मनाते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसी को किसी प्रकार की असुविधा या कष्ट न पहुंचे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा